डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26

ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 18 | अंक 73 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | शुक्रवार 22 दिसम्बर 2023 | मूल्य 2 रुपया

यात्रियों से भरी बस ट्राले में घुसी, एक दर्जन घायल

रतलाम, 21 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। महू-नीमच हाईवे पर रतलाम के घोसवास के नजदीक यात्रियों से भरी बस अपने आगे जा रहे ट्राले में जा घुसी। इससे बस में सवार करीब एक दर्जन यात्री घायल हुए हैं। सभी घायलों को देर रात मेडिकल कॉलेज में लाकर भर्ती कराया गया। घायलों में से कुछ को मामूली चोटे आने से प्राथमिक इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई है। जबकि, कुछ अभी भर्ती है। सभी घायलों की स्थिति ठीक है। अच्छी बात यह रही कि इसमें कोई जनहानि नहीं हुई। दुर्घटना में बस का चालक भी घायल हुआ है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार यह दुर्घटना देर रात हुई। घोसवास के नजदीक यह बस हाईवे पर तेजी से जावरा तरफ जा रही थी। इसके आगे एक ट्राला जा रहा था। स्पीड ब्रेकर आने से ट्राला चालक ने ट्राला धीमा किया। पीछे से तेजी से आ रही बस के चालक को इसकी जानकारी... **शेष पेज 4 पर**

नीमच के सेंपल की होगी मंदसौर में जांच

प्रदेश में कोरोना की आमद के बाद अलर्ट पर स्वास्थ्य विभाग

केंद्र ने जिले का डाटा मंगवाया, वीडियो कान्फ्रेंस पर अधिकारियों से चर्चा

मंदसौर, 21 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। देश व प्रदेश में कोविड की वापसी को लेकर अलर्ट जारी हो गया गया है। शासन स्तर से अधिकारियों ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कर जिला अधिकारियों से उपलब्ध संसाधनों व सुविधाओं की जानकारी ली। केंद्र सरकार ने भी जिले का डाटा मंगवाया है। शासन ने सैंपलिंग शुरु करने, अन्य सावधानी रखने व नीमच के सैंपलों की जांच मंदसौर व रतलाम लैब में करवाने के निर्देश दिए। एक दो दिन में जिला प्रशासन कोविड को लेकर गाइडलाइन जारी कर सकता है। इधर मंदसौर जिला स्वास्थ्य विभाग पहले ही कोरोना को लेकर पूरी तरह तैयार है। जिला अधिकारी पर्याप्त संसाधन होने का दावा कर रहे हैं।

अधिकारियों ने संदिग्ध मरीजों की सैंपलिंग के आदेश भी दिए हैं। यही नहीं दिल्ली व भोपाल से अधिकारियों द्वारा तैयारियों का जायजा लिया जा रहा है। दिल्ली से विभाग ने जिला स्वास्थ्य अमले से ऑक्सीजन, आईसीयू, एचआर, एम्बुलेंस (प्राइवेट व सरकारी) एवं दवाइयों के स्टॉक सहित कई बिंदुओं पर जानकारी मांगी है। भोपाल के अधिकारियों ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कर तैयारियों की समीक्षा की। जिला अधिकारियों ने पूरी तरह से तैयारी के दावे किए। लेकिन, हकीकत मरीजों के सामने आने के बाद ही पता चलेगी। बड़े अस्पताल के सिविल सर्जन डॉक्टर डीके शर्मा ने बताया कि ऑक्सीजन, आईसीयू बेड, दवाइयां, स्टाफ सभी पर्याप्त संख्या व मात्रा में हैं। शासन ने अलर्ट रहने के निर्देश दिए है।

मंदसौर में है आरटी पीसीआर लैब...

शासन स्तर से कोविड सैंपलिंग के निर्देश प्राप्त हो गए हैं। नीमच में लिए जाने वाले सैंपल की जांच मंदसौर व रतलाम में स्थित आरटीपीसीआर लैब में करवाने के निर्देश दिए हैं। जिला प्रशासन जल्द ही गाइड लाइन जारी कर सकता है। इसमें सोशल डिस्टेंसिंग, मास्क को अनिवार्य किया जाएगा। लोग अभी से सतर्क नहीं हुए व स्थिति बिगडी तो शासन सख्त कदम भी उठा सकता है। हालांकि, अभी तक कोविड से डरने जैसी कोई स्थिति नहीं है। सावधानी रखने की आवश्यकता है।

नीमच कलेक्टर ने किया अस्पताल का निरीक्षण...

कोरोना संक्रमण के मामले देश में सामने आने लगे हैं। इसके बाद शासन ने भी एडवाइजरी जारी की है। राज्य शासन के निर्देशानुसार कोरोना के नए वैरिएंट के मद्देनजर चिकित्सालय की व्यवस्थाओं का जायजा लेने नीमच कलेक्टर दिनेश जैन गुरुवार को बड़े पहुंचे। यहां उन्होंने कोरोना के संबंध में व्यवस्थाओं के बारे में सभी प्रकार की जानकारी हासिल की और मौजूदा हालत में यदि कोरोना के मामले सामने आते है, तो बड़े अस्पताल में किस प्रकार की व्यवस्था है। किस तरह की तैयारियां है, इसको लेकर कलेक्टर ने चिकित्सकों से चर्चा की।

मध्यप्रदेश में कोरोना के तीन एक्टिव केस...

मध्य प्रदेश में कोरोना संक्रमित दोबारा मिलना शुरू हो गए हैं। बुधवार को इंदौर और जबलपुर में एक-एक संक्रमित मिला है। इससे प्रदेश में एक्टिव केस बढ़कर तीन हो गए हैं। इनमें दो केस इंदौर और एक जबलपुर में है। तीनों को होम आइसोलेशन में रखा गया है। वहीं, इंदौर में बुधवार को एक पेशेंट स्वस्थ होने के बाद होम आइसोलेशन से डिस्चार्ज कर दिया गया। इसके अलावा, भोपाल में कोरोना के लक्षण वाले 12 संदिग्ध मरीज मिले हैं। सभी के सैंपल जांच के लिए ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस (एम्स) भेजे गए हैं। स्वास्थ्य संचालनालय की बुलेटिन के मुताबिक भोपाल के जेपी हॉस्पिटल फीवर क्लीनिक में कोविड के जैसे लक्षणों वाले दो मरीज मिले हैं। सभी के सैंपल जांच के लिए एम्स भेजे गए हैं। साथ ही, दोनों कोविड संदिग्ध मरीजों का ट्रीटमेंट कोविड प्रोटोकॉल के तहत शुरू कर दिया है, ताकि बीमारी को बढ़ने से पहले नियंत्रित किया जा सके। बुलेटिन के मुताबिक इंदौर में बुधवार को कोरोना के एक संदिग्ध मरीज की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। वहीं, होम आइसोलेशन में इलाज करा रहे एक मरीज को स्वस्थ होने पर डिस्चार्ज किया गया है। इसके चलते इंदौर में कोरोना एक्टिव केस की संख्या दो हो गई है।

पहले समझाया, फिर उठाया

सुबह से शाम तक कलेक्टर-एसपी के साथ वाहनों का काफिला घूमा शहर में, मुख्य मार्गों पर स्थाई-अस्थाई अतिक्रमण को हटाया

मंदसौर, 21 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। न प्रधानमंत्री का दौरा और न ही देश के गृहमंत्री का...लेकिन कलेक्टर-एसपी के साथ पुलिस के वाहनों सहित 29 गाड़ियों का काफिला दिनभर शहर में घूमता रहा। कलेक्टर-एसपी सड़क पर दिखाई दिए। नपा के अधिकारी हो या प्रशासनिक अधिकारी, लगातार सड़को पर पसीना बहाते हुए दिखे। यह दृश्य सुबह से देर शाम तक देखने को मिला। मौका था अतिक्रमण हटाने का। अमूमन शहर में अतिक्रमण हटाने की मुहिम में नपा के कर्मचारियों के साथ एक दो यातायात पुलिस के जवान या अधिकारी दिखते हैं। लेकिन, इस बार माहौल कुछ अलग ही था। प्रशासनिक अधिकारियों और कर्मचारियों का अमला संसाधनों के साथ एक काफिले के रूप में अतिक्रमण हटा रहा था। कलेक्टर दिलीप कुमार यादव और एसपी अनुराग सुजानिया खुद अतिक्रमण हटाते समय निर्देश देते हुए नजर आए। महत्वपूर्ण यह रहा कि पहले चक्कर में व्यापारियों को समझाईश दी गई। लेकिन, व्यापारी इसे औपचारिकता समझे और अतिक्रमण नही हटाया, किंतु दूसरे चक्कर में कार्रवाई कर माल जब्त किया गया।

पहली बार दिखी ऐसी कार्रवाई...

शाहर में अतिक्रमण एक बड़ी समस्या है। बात करें बाजार में अस्थायी अतिक्रमणक की तो इससे यातायात व्यवस्था चरमरा गई है। शहर के मुख्य बाजारों में जगह जगह जाम की स्थिति बन रही है। कालाखेत, आजाद चौक, सम्राट मार्केट, कालीदास मार्ग जैसे कई जगहों पर हालत बदतर होते जा रहे हैं। इसका कारण व्यापारियों का दुकान के बाहर फैला हुआ सामान और जगह जगह अस्थायी अतिक्रमण। कई बार मुहिम जरुर चलाई जाती है। लेकिन, कुछ दिनों बाद मुहिम की सांस फूल जाती है। इस बार पहली बार ऐसी कार्रवाई दिखी जिसमें कलेक्टर-एसपी भी शामिल हुए और एक बार नहीं दो चक्कर मुख्य मार्गों का भ्रमण काफिले के साथ किया। सुबह से शाम तक अमला शहर की सडक़ों पर नजर आया।

कहीं तोड़कर हटाया, कहीं ट्रॉली में भरा...

काफिले में ट्रैक्टर-ट्रॉली, जेसीबी सहित अतिक्रमण हटाने के सभी संसाधन मौजूद थे। इसके अलावा पुलिस और प्रशासनिक वाहन करीब 15-20 की संख्या में शामिल थे। बड़ा अस्पताल रोड, गांधी चौराहा, फूड जोन, आजाद चौक, कालीदास मार्ग, शुक्ला चौक, नयापुरा रोड सहित अन्य मुख्य मार्गो पर अतिक्रमण हटाया गया। यहां स्थाई अतिक्रमण को जेसीबी से तोड़ा गया तो कई जगहों पर सामान जब्त किया गया।

इनका कहना...

बाजार का एक विजिट नपा के साथ किया गया है। शहर में जहां-जहां अतिक्रमण था, वहां हटाया गया है। कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।

दिलीप कुमार यादव
कलेक्टर मंदसौर

देखने में आया है कि मुख्य मार्गो पर दुकानदारों ने अतिक्रमण कर रखा है। इससे दुर्घटना या आगजनी जैसी अन्य कोई हादसे में भी परेशानी हो सकती है। एंबुलेंस या फायर ब्रिगेड नहीं पहुंच सकती। इसके अलावा यातायात व्यवस्था भी अतिक्रमण से बिगड़ रही है। यातायात को सुगम बनाने के लिए नपा के साथ मिलकर कार्रवाई की गई है।

अनुराग सुजानिया
एसपी मंदसौर

सांता क्लॉज बनने के लिए अभिभावक की अनुमति अनिवार्य

प्राइवेट स्कूलों पर रहेगी प्रशासन की नजर

मंदसौर, 21 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। मध्यप्रदेश सरकार के स्कूल शिक्षा विभाग ने एक आदेश जारी किया है, जिसमें क्रिसमस को लेकर एडवायजरी जारी की गई है। साफ कहा गया है कि बिना अभिभावक की लिखित अनुमति के बच्चे इसका हिस्सा नहीं हो सकते हैं।

मध्यप्रदेश में भाजपा सरकार के लाउडस्पीकर वाले आदेश की गर्मी अभी शांत भी नहीं हो पाई थी कि एक और आदेश जारी हो गया है, जिसमें स्कूलों को सीधी चेतावनी दी गई है। साफ कहा गया है कि अगर स्कूल में क्रिसमस का आयोजन किया जाए और उसमें बच्चों को शामिल करना हो तो अभिभावक की लिखित अनुमति जरूरी होगी। प्रदेश में इससे पहले किसी भी त्योहार को लेकर स्कूलों के लिए कभी कोई एडवायजरी जारी नहीं की गई है। इतना ही नहीं, आदेश में स्पष्टकर दिया गया है कि अगर ऐसा नहीं हुआ तो सीधी कार्रवाई स्कूल संचालक और प्रिंसिपल के खिलाफ होगी।

अभिभावकों को सूचित करना जरूरी...

इस आदेश में कहा गया है कि स्कूल इस सर्कुलर के बारे में अभिभावकों को सूचित कर दें। स्कूलों से कहा गया है कि यदि इस संबंध में शिकायतें मिलती है तो आपके संगठन के खिलाफ एकतरफा अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा सकती है।

मौसम: न्यूनतम तापमान में 1 डिग्री का उछाल

छाए रहे बादल, दोपहर में भी ठंड बरकरार

मंदसौर, 21 दिसम्बर गुरु एक्सप्रेस। गुरुवार को बादल छाए रहे, बर्फीली हवाओं से कड़ाके की ठंड का एहसास कराया। हालांकि गुरुवार को इससे कुछ राहत मिली। न्यूनतम तापमान हल्की बढ़त के साथ 11 डिग्री और अधिकतम तापमान 24 डिग्री के आसपास दर्ज किया गया है। हालांकि, दोपहर में ठंडी हवाओं के चलते ठंड का असर बरकरार रहा। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार 22 दिसंबर से वेस्टर्न डिस्टरबेंस का असर रहेगा। इस कारण 22-23 दिसंबर को प्रदेश के कई जिलों में बादल छाए रहेंगे। बादल छाए रहने से तेज ठंड से थोड़ी राहत मिलेगी। वैसे बारिश के आसार नहीं हैं। वेस्टर्न डिस्टर्बेंस कमजोर होने और बादल छटने के बाद ठंड का असर फिर बढ़ जाएगा।

रात का तापमान गिरेगा...

मौसम विभाग के अनुसार आज 22 दिसम्बर से दो दिन बारिश के संकेत मिल रहे हैं। 20 दिसम्बर से सम्भाग में रात के पारे में तेजी से गिरावट का दौर शुरु हुआ है। अगले चौबीस घण्टों में जिले का मौसम शुष्क रहने का अनुमान है। मौसम विभाग के अनुसार अभी कोई मजबूत वेदर सिस्टम सक्रिय नहीं है। लेकिन, दक्षिण बंगाल की खाड़ी और पश्चिम मध्य अरब सागर में कम दबाव का क्षेत्र बना हुआ है। जिसके चलते लगातार शुष्क और ठंडी हवा आ रही है। रात के साथ दिन का तापमान भी गिरने लगा है। अगले दो दिन में रात का तापमान छह-सात डिग्री सेल्सियस के आसपास पहुंच सकता है। जबकि दिन का तापमान 22-23 डिग्री सेल्सियस से नीचे जा सकता है। दिसंबर माह के अंत में कड़ाके की ठंड देखने को मिल सकती है।

मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति के बिल को लोकसभा से मंजूरी...

टेलीकम्युनिकेशन बिल राज्यसभा में पास

नई दिल्ली, 21 दिसम्बर। टेलीकम्युनिकेशन बिल 2023 आज राज्यसभा में पास हो गया।अब इसे राष्ट्रपति के पास मंजूरी के लिए भेज जाएगा। राष्ट्रपति से मंजूरी मिलने के बाद यह बिल कानून बन जाएगा। इस बिल में फर्जी सिम लेने पर 3 साल जेल व 50 लाख तक के जुर्माने का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा लोकसभा में आज मुख्य चुनाव आयुक्त व चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति, सेवा शर्तों को विनियमित करने वाले बिल को मंजूरी दे दी है। राज्यसभा से यह बिल 12 दिसंबर को पास हुआ था। इसे चुनाव आयोग, चुनाव आयुक्तों की सेवा की शर्तें व कामकाज का संचालन अधिनियम 1991 की जगह लाया गया है।

केंद्र सरकार ने आज तीन नए क्रिमिनल बिल भी राज्यसभा में पेश किए है। इसमें अंग्रेजों के समय का राजद्रोह कानून खत्म किया गया है।नाबालिग से रेप व मॉब लिंचिंग जैसे क्राइम में फांसी की सजा दी जाएगी।आज सदन की कार्यवाही शुरू होने से पहले विपक्ष के सांसदों ने पुरानी संसद से विजय चौक तक पैदल मार्च निकाला। इस दौरान खड़गे ने कहा कि सरकार संसद सुरक्षा चूक पर जवाब दे। पीएम नरेंद्र मोदी व गृहमंत्री अमित शाह संसद में आकर इस मामले पर बयान दें । बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा कि संसद से विपक्ष के सांसदों का निलंबन ठीक नहीं है। इस बीच लोकसभा व राज्यसभा के अंदर भी हंगामा हुआ। आज भी कार्यवाही शुरू होते ही विपक्ष का हंगामा देखने को मिला। प्रश्नकाल में ही विपक्ष के कुछ सांसद नारेबाजी करते दिखे। खड़गे ने कहा कि पीएम वाराणसी, अहमदाबाद जा रहे हैं। वे हर जगह बोल रहे हैं संसद में सुरक्षा चूक पर नहीं बोल रहे। गृह मंत्री अमित शाह ने भी संसद के सिक्योरिटी लेप्स पर कुछ नहीं कहा हम इसकी निंदा करते हैं। सरकार सदन नहीं चलने देना चाह रही है। विपक्ष की आवाज दबा रही है। संसद में बोलना हमारा अधिकार है। सभापति मामले को जातिगत रंग दे रहे हैं।वहीं शरद पवार ने कहा कि सदन में जो हुआ वो इतिहास में कभी नहीं हुआ। जो लोग सदन में घुसे वो किसकी मदद से आए। सुरक्षा में चूक पर चर्चा क्यों नहीं हो रही। चर्चा कराने की बजाय सांसदों को सस्पेंड कर दिया गया। सभापति की मिमिक्री पर पवार ने कहा कि ये सदन के अंदर का नहीं, बाहर का मामला है।

अब तक 143 सांसद सस्पेंड

20 दिसंबर को लोकसभा से 2 और सांसदों को सस्पेंड किया गया था। अब तक 143 सांसद निलंबित किए जा चुके हैं। इनमें 109 लोकसभा और 34 राज्यसभा के हैं। इन सांसदों के संसद में दाखिल होने पर रोक है। 20 दिसंबर की कार्यवाही में लोकसभा में विपक्ष के 98 सांसदों व राज्यसभा में 94 सांसदों ने भाग लिया। विपक्ष का आरोप है कि सांसदों को सस्पेंड करके भाजपा सभी बिल बिना बहस के पास कराना चाहती है। संसद के शीतकालीन सत्र के सिर्फ दो बचे हैं।

लोकसभा चुनाव की तैयारी शुरू

28- 29 दिसंबर को दिल्ली में कलेक्टरों को देंगे ट्रेनिंग

मंदसौर, 21 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। लोकसभा चुनाव की तैयारियां शुरु हो गई है। इसको लेकर प्रदेशभर के कलेक्टरों को अलग अलग चरणों में दिल्ली में प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसमें मंदसौर कलेक्टर को 28 और 29 दिसंबर को प्रशिक्षण दिया जाएगा। तीन चरणों में यह प्रशिक्षण दिया जाएगा। भारत निर्वाचन आयोग ने लोकसभा चुनाव 2024 के लिए प्रदेश के सभी जिलों के जिला निर्वाचन अधिकारियों और रिटर्निंग अधिकारियों का दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम घोषित किया है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए प्रदेश के सभी 55 जिलों के कलेक्टरों को आईआईआईडीईएम कैम्पस दिल्ली में बुलाया गया है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने कलेक्टरों को प्रशिक्षण में आने के लिए निर्देशित किया है। इन कलेक्टरों को तीन अलग-अलग बैच में तय प्रशिक्षण कार्यक्रमों में बुलाया गया है। यानी सभी कलेक्टर एक साथ प्रशिक्षण के लिए नहीं जाएंगे। यहां प्रशिक्षण के दौरान लोकसभा चुनाव सर्टिफिकेशन के बारे में कलेक्टरों को ट्रेनिंग दी जाएगी। प्रशिक्षण में विधानसभा चुनाव के पहले अस्तित्व में आए तीन नवगठित जिले मऊगंज, पांढुर्णा और मैहर के कलेक्टर भी शामिल होने के लिए बुलाए गए हैं।

अंतिम बैच में मंदसौर शामिल...

तीसरे बैच में 28 और 29 दिसम्बर को प्रशिक्षण देने का कार्यक्रम रखा गया है। इसमें 17 जिलों के कलेक्टर और जिला निर्वाचन अधिकारी शामिल होंगे। इसमें खंडवा, बुरहानपुर, खरगोन, बड़वानी, अलीराजपुर, झाबुआ, धार, इंदौर, उज्जैन, रतलाम, मंदसौर, नीमच, आगर मालवा, निवाड़ी, मऊगंज, मैहर और पांढुर्णा जिले के कलेक्टर शामिल रहेंगे।

पहले बैच का प्रशिक्षण शुरु, यह जिले शामिल...

ट्रेनिंग का पहला बैच गुरुवार से शुरू हुआ है। इस पहले बैच में 21 और 22 दिसम्बर को जिन 19 जिलों के कलेक्टरों को ट्रेनिंग देना शुरु किया गया है। इनमें श्योपुर, मुरैना, भिंड, ग्वालियर, दतिया, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, सागर, टीकमगढ़, छतरपुर, दमोह, पन्ना, सतना, रीवा, सीधी, सिंगरौली, शहडोल और अनूपपुर जिलों के कलेक्टर शामिल है।

26 व 27 दिसम्बर को दूसरा बैच लेगा ट्रेनिंग...

दूसरे बैच में 26 व 27 दिसम्बर को ट्रेनिंग दी जाएगी। इसके लिए 19 जिलों के कलेक्टर और जिला निर्वाचन अधिकारी व रिटर्निंग अधिकारी बुलाए गए हैं। इसमें उमरिया, कटनी, जबलपुर, डिंडोरी, मंडला, बालाघाट, सिवनी, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, बैतूल, हरदा, नर्मदापुरम, रायसेन, विदिशा, भोपाल, सीहोर, राजगढ़, शाजापुर और देवास के कलेक्टर बुलाए गए हैं।

पचहत्तर प्रतिशत मांसाहार वाले देश में इसके विक्रय पर प्रतिबंध लग सकता है...?

मंदसौर/ उज्जैन, 21 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। 140 करोड़ से अधिक जनसंख्या वाले भारत में 75 प्रतिशत लोगों का भोजन मांसाहारी है। ऐसे में जिन राज्यों की सरकारें मांसाहारी सामग्री के विक्रय पर प्रतिबंध लगाने के दावे कर रही है, वे सफल हो पाएगी! इतना ही नहीं दक्षिण भारत और उत्तर पूर्व के कई राज्यों में तो गाय के मांस का भी खुलेआम विक्रय और उपयोग को बंद कराया जा सकता है! इनमें कई भाजपा शासित राज्य भी शामिल है। जिस देश में एक तिहाई युवा बेरोजगार हैं, 81 करोड़ को खुद सरकार सिर्फ जिंदा रहने के लिए महीने में 5 किलो मुफ्त अनाज देकर एहसान कर रही है। वहां प्रदेश की सरकार क्या मांसाहार की दुकान बंद करा देगी ? यहां खाने की गुणवत्ता की तो बात ही नहीं की जा सकती है। क्योंकि, इतनी महंगाई के दौर में खाना खाने को मिल जाए जिने के लिए यही बहुत है। पूरे विश्व की अनुमानित आबादी 800 करोड़ में से 310 करोड़ लोगों को ढंग से पेट भर खाना ही नहीं मिलता है, इसमें 105 करोड़ लोग भारत के हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ अनुसार खनिज, विटामिन युक्त पोष्टिक भोजन के लिए वर्तमान महंगाई के दौर में एक व्यक्ती का प्रतिदिन खाना खर्च 250 रूपए तक आएगा। जो महीने भर का 7 हजार 310 होगा। जाहिर है देश की 80 प्रतिशत आबादी खाने पर इतना पैसा खर्च करने लायक हैसियत या कमाई नहीं रखती है। 105 करोड़ भारतियों में महिलाओं का अनुपात 70 से 80 प्रतिशत हैं। इनमें से भी 75 प्रतिशत महिलाएं गर्भवती है, जिन्हें ढंग का खाना तक नहीं मिलता है। इस दौर में एक व्यक्ति पर इतना रुपया खर्च करना भारत में लगभग नामुमकिन है। पांच किलो राशन वाले भी सिर्फ जिंदा रहने के लिए हैं। अति भूखे 81 करोड़ को एक टाइम भी खाना नहीं मिल पाता है। मध्य प्रदेश के नवनियुक्त मुख्यमंत्री ने खुलेआम मांस के विक्रय पर रोक लगाने के निर्देश दिए हैं। जाहिर है प्रशासन को पालन करना ही पड़ेगा।

चन्द्रमोहन भगत

मध्य प्रदेश की आबादी का 50 प्रतिशत मांसाहार भोजन करता है तो स्वाभाविक है कि इसको विक्रय करने वालों में 10 से 15 प्रतिशत व्यवसाई तो होंगे ही और उनकी दुकान भी बाजारों में सार्वजनिक स्थानों पर ही होगी। कुछ घरों से भी व्यवसाय करते होंगे। देश भर के आंकड़े देखे तो भौचक रह जाएंगे कि कुछेक राज्य तो ऐसे हैं, जहां 99 प्रतिशत आबादी मांसाहार का सेवन करती है। पश्चिम बंगाल में 99 प्रतिशत मांसाहारी व्यक्ति हैं। इसी तरह कर्नाटक में 79 केरल में 97 बिहार में 93 आंध्र प्रदेश में 99 तमिलनाडु में 98 उड़ीसा में 97.4 तेलंगाना में 98.7 असम में 80 झारखंड में 97 गोवा में 88 छत्तीसगढ़ में 83 उत्तराखंड जिसे देवभूमि कहा जाता है 73, झारखंड में 97, असम में 80 प्रतिशत मांसाहारी नागरिक हैं। इन सभी राज्यों में हिंदुओं की आबादी का प्रतिशत भी अधिक है तो कुछ राज्यों में बहुत अधिक, इन आंकड़ों से तो यह स्पष्ट है कि मांसाहार खाने वालों का अनुपात हिंदुओं में ही अधिक मिलेगा। जबकि, राजस्थान में 74 प्रतिशत शाकाहारी है। ऐसे ही उत्तर प्रदेश में 63, दिल्ली, पंजाब, हरियाणा में 60 प्रतिशत शाकाहारी आबादी है।

रही बात गौ मांस की तो नॉर्थ ईस्ट के अलावा पूरे दक्षिण भारत, गोवा, पंजाब, जम्मू कश्मीर, उड़ीसा जैसे राज्यों में प्रतिबंधित भी नहीं है। देश के रजिस्ट्रार जनरल ने 2014 में सर्वे कराया था। तब बताया गया था कि देश की 75 प्रतिशत आबादी मांसाहार का उपयोग करती है। जब उपभोग करने वालों का अनुपात इतना अधिक होगा, तब स्वाभाविक है कि इनका विक्रय करने वालों का अनुपात भी इसी अनुसार अधिक होगा और बाजार की सतह पर नजर भी आएगा। अब इसे भाजपा शासित राज्यों में छिपाए जाने का प्रयास किया जा रहा है। सामान्यत: माना जा रहा है कि जब फल, सब्जियां, किराणा, दूध व अन्य खाद्य सामग्रियों की दुकानें गलियों या सकरे बाजारों में लग रही है। तब क्या मांसाहार विक्रय पर रोक लगाई जाएगी ? या उनके लिए अलग नियत स्थान तय किया जाएगा ! भाजपा के नए मुख्यमंत्रियों की सरकारों के नए निर्णय को आम चर्चा में प्रमुखता से लिया जा रहा है। कवायद सकारात्मक, नकारात्मक दोनों सतह पर आ रही है। भाजपा के लिए ऐसे निर्देशों पर प्रश्न चिन्ह तब लग रहा है। जबकि, कुछ भाजपा शासित राज्यों में खुले आम गौ मांस विक्रय सार्वजानिक और अप्रतिबंधित है। राजस्थान में भाजपा के एक विधायक मांसाहार की दुकान बंद कराने पहुंच जाते हैं, तब क्या भाजपा शासित अन्य राज्यों में भी ऐसा ही होगा या प्रतिबंध ही हटा दिया जाएगा ?

विचार-मंथन

चीनी के निर्यात पर रोक लगाने के अलावा कोई उपाय नहीं

इस वर्ष उत्पादन में कमी की वजह से चीनी की कीमतें बढ़ने की आशंका सिर उठाने लगी है। भारतीय चीनी मिल संघ की तरफ से जारी आंकड़ों के मुताबिक चालू विपणन वर्ष 2023-24 में 15 दिसंबर तक चीनी उत्पादन 74.05 लाख टन हुआ, जबकि पिछले वर्ष की इसी अवधि में 82.95 लाख टन उत्पादन हुआ था। यानी इस वर्ष ग्यारह फीसद चीनी का उत्पादन कम हुआ है। इसका कारण महाराष्ट्र और कर्नाटक में चीनी का उत्पादन कम होना बताया जा रहा है। इस वर्ष पेराई सत्र भी करीब पंद्रह दिन देर से शुरू हुआ। हालांकि इस वर्ष उत्तर प्रदेश में चीनी उत्पादन पिछले वर्ष की तुलना में अधिक हुआ। वहां उत्पादन 15 दिसंबर तक बढ़ कर 22.11 लाख टन हो गया, जबकि पिछले वर्ष समान अवधि में यह 20.26 लाख टन था। इस वर्ष महाराष्ट्र में चीनी उत्पादन 33.02 लाख टन से घटकर 24.45 लाख टन और कर्नाटक में 19.20 लाख टन से घटकर 16.95 लाख टन रह गया है। इस तरह इस वर्ष भी चीनी के निर्यात पर रोक लगाने के अलावा कोई उपाय नहीं होगा। चीनी उत्पादन के मामले में भारत दुनिया का सबसे बड़ा देश है। मगर पिछले कुछ वर्षों से जिस तरह इस क्षेत्र में गतिरोध पैदा हो रहा है, उसके मद्देनजर चीनी के निर्यात में कमी करनी पड़ रही है। घरेलू आपूर्ति को बढ़ावा देने और कीमतों को नियंत्रित करने के लिए सरकार ने चालू विपणन वर्ष में चीनी निर्यात की अनुमति नहीं दी है। इस वर्ष चीनी का उत्पादन 325 लाख टन होने की उम्मीद है। इसके अलावा 56 लाख टन चीनी का भंडारण है। जबकि खपत 285 लाख टन रहने का अनुमान है। ऐसे में सुरक्षित भंडार में चीनी रखने के बाद अधिक निर्यात की गुंजाइश नहीं रहेगी। अंतरराष्ट्रीय बाजार में चीनी की कीमतें पहले ही काफी ऊंची हैं। इसलिए वहां से चीनी मंगाने का फैसला करना मूल्य नियंत्रण के मामले में परेशानी पैदा करने वाला होगा। कुछ दिनों पहले चीनी उत्पादन में गिरावट को देखते हुए सरकार ने गन्ने के रस से एथेनाल बनाने पर रोक लगा दी थी, हालांकि अब वह हटा ली गई है। पर जाहिर है, इससे एथेनाल के उत्पादन पर भी बुरा असर पड़ा है। दरअसल, पेराई सत्र देर से शुरू होने और चीनी उत्पादन में कमी का मुख्य कारण गन्ने की बुआई का रकबा घटना है। हालांकि गन्ना सबसे सुरक्षित नगदी फसल मानी जाती है। इस पर मौसम की मार का भी बहुत असर नहीं पड़ता। मगर किसान गन्ना बोने में रुचि कम लेने लगे हैं तो इसकी बड़ी वजह चीनी मिलों द्वारा समय पर भुगतान न किया जाना और पेराई सत्र समय से पहले ही समाप्त कर देना रहा है। मिलें गन्ना नहीं खरीद पातीं, इसलिए हर वर्ष बहुत सारे किसानों को खेत में ही खड़ी फसल जलानी पड़ जाती है।यद्यपि चालू चीनी मिलों की संख्या पिछले वर्ष के बराबर ही है, मगर यह उजागर तथ्य है कि उनकी पेराई क्षमता कम हुई है। अधिकतर सरकारी और सहकारी चीनी मिलें बीमार हाल में ही हैं। उनके रखरखाव और क्षमता विकास पर समुचित ध्यान नहीं दिया जाता, इसलिए वे कम उत्पादन कर पाती हैं। फिर, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र आदि के गन्ना किसानों को काफी संघर्ष के बाद आधा-अधूरा भुगतान मिल पाता है, जबकि नियमानुसार पंद्रह दिन में भुगतान हो जाना चाहिए। इस व्यवस्था को सुधारे बिना चीनी उत्पादन के मामले में प्रगति संभव नहीं है।

2024 में हमें चुनौतियों और अवसरों दोनों का सामना करना पड़ेगा

कल्याणी शंकर

जैसे-जैसे 2024 निकट आ रहा है, यह अतीत पर विचार करने और दुनिया विशेषकर भारत के लिए भविष्य की आशा करने का समय है। अगले वर्ष बड़ी आबादी वाले 7 देशों सहित 40 से अधिक देशों में राष्ट्रीय चुनाव होने वाले हैं, जिससे संभावित रूप से नेतृत्व में महत्वपूर्ण बदलाव हो सकते हैं। अमरीकी राष्ट्रपति जो बाइडेन और उनके पूर्ववर्ती डोनाल्ड ट्रम्प के बीच आमना-सामना हमारे समय की सबसे महत्वपूर्ण घटनाओं में से एक है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन राष्ट्रपति चुनाव में अपना पांचवां कार्यकाल चाह रहे हैं। यूक्रेन में राष्ट्रपति जेलेंस्की फिर से चुनाव लड़ सकते हैं जबकि मैक्सिकन राष्ट्रपति पद के लिए 2 महिला उम्मीदवार मैदान में हैं। 2024 ओलिम्पिक खेल 26 जुलाई से 11 अगस्त तक पैरिस में होने वाले हैं। उद्घाटन समारोह किसी स्टेडियम की बजाय सीन नदी में एथलीटों को ले जाने वाली नावों पर आयोजित किया जाएगा। किंग चार्ल्स तृतीय की तस्वीर वाले बैंक नोट जल्द ही प्रसारित किए जाएंगे। नीदरलैंड्स के स्कूलों में मोबाइल फोन पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। जैसा कि भाजपा ने वायदा किया था, अयोध्या में राम मंदिर का उद्घाटन नए वर्ष की शुरूआत में निर्धारित है। अनुच्छेद-370 हटा दिया गया और अब सरकार का ध्यान समान नागरिक संहिता (यू.सी.सी.) पर आम सहमति बनाने पर है। 2024 का लोकसभा चुनाव प्रधानमंत्री मोदी के राजनीतिक भविष्य के लिए महत्वपूर्ण होगा। नतीजे कांग्रेस में राहुल गांधी के नेतृत्व पर असर डालेंगे और विपक्ष की एकता की परीक्षा लेंगे। यह समय भाजपा के लिए दक्षिण में समर्थन हासिल करने और उत्तर में अपना महत्व बरकरार रखने का भी अवसर होगा। अगले वर्ष जम्मू-कश्मीर सहित 8 राज्यों में विधानसभा चुनाव होंगे। हालिया चुनाव नतीजों से विपक्षी दल असंतुष्ट हैं। कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल एकजुट होकर भाजपा के संसाधनों, नेतृत्व और संगठन का मुकाबला करने पर सहमत हुए हैं। अमरीकी अर्थव्यवस्था के वर्ष 2023 में 2.4 प्रतिशत और 2024 में 1.2 प्रतिशत बढ़ने की उम्मीद है। हालांकि विकास दर धीमी होने का अनुमान है, जिससे 2024 में हल्की मंदी आएगी। वैश्विक विकास दर अगले वर्ष 2.9 प्रतिशत से घट कर 2.6 प्रतिशत हो जाएगी। जहां तक भारत की अर्थव्यवस्था का सवाल है 2024 में इसके 6.3 प्रतिशत बढ़ने की उम्मीद है जिससे यह देश की लचीलापन और बाहरी झटकों के प्रति कम संवेदनशीलता के कारण लगातार तीसरे वर्ष दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बन जाएगी। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आई.एम.एफ.) का अनुमान है कि वर्ष 2023 और 24 में भारत की विकास दर 6 प्रतिशत से अधिक होगी, जो चीन की 4.5 प्रतिशत विकास दर से अधिक होगी। वर्ष 2030-31 तक भारत की जी.डी.पी. 6.7 ट्रिलियन डॉलर होने की उम्मीद है जो अमरीका और चीन के बाद दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगी। शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, आई.टी. और पी.एल.आई. उद्योग उल्लेखनीय रूप से बढ़ सकते हैं। भारतीय दुश्चिंताओं में राजनीतिक अस्थिरता, मुद्रा स्फीति, प्रतिभा की कमी, साइबर हमले, जलवायु परिवर्तन और बदलती कार्यशैली शामिल हैं। वैश्विक शक्ति और दक्षिण के नेता के रूप में भारत की स्थिति की पुष्टि जी-20 शिखर सम्मेलन 2023 में उसके नेतृत्व से होती है। अगला शिखर सम्मेलन रिओ डी जनेरियो में आयोजित होगा। जनवरी में नई दिल्ली में आयोजित होने वाले क्वाड नेताओं के शिखर सम्मेलन को 2024 के बाद की तारीख के लिए स्थगित कर दिया गया है। इसके अतिरिक्त 'चौगम' की बैठक भी 2024 में होने वाली है। मोदी की 'नेबरहुड फर्स्ट' रणनीति क्षेत्रीय शांति और विकास को बढ़ावा देने के लिए सहकारी क्षेत्रीय ढांचे की स्थापना करती है। अगले वर्ष बंगलादेश, पाकिस्तान और श्रीलंका के चुनाव भी महत्वपूर्ण होंगे। अमरीका-भारत संबंधों में लगातार सुधार हो रहा है और चुनाव नतीजों के बावजूद नीतियां अपरिवर्तित रह सकती हैं। दोनों देश अंतरिक्ष, रक्षा, सुरक्षा, स्वच्छ ऊर्जा, बहुपक्षीय सहयोग और लोगों से लोगों के बीच संबंधों सहित विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग करते हैं। इसके अतिरिक्त भारत और अमरीका ने अपनी योजनाओं की घोषणा की है। भारत पश्चिम के साथ अपने रक्षा संबंधों का विस्तार करना चाहता है। वह यूक्रेन युद्ध पर तटस्थ है। पी.एम. मोदी ने इसराईल-हमास संघर्ष पर दुख जताया और कहा कि भारत इसराईल के साथ खड़ा है। भारत अब दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला देश है जिससे बड़ा कार्यबल और उच्च आर्थिक वृद्धि हो सकती है। भारत को उच्च आर्थिक विकास के लिए इस मौके का लाभ उठाना चाहिए। 2024 में हमें चुनौतियों और अवसरों दोनों का सामना करना पड़ेगा।

जिस मिथक को राष्ट्रपति नहीं तोड़ पाए उसे मुख्यमंत्री ने तोड़ा...?

भारत की पुण्य नगरियों के साथ अनेक किंवदंतियाँ व मिथक जुड़े हुए है, इसी तरह मध्यप्रदेश की पवित्र नगरी अवंतिका (उज्जैन) के साथ भी अनेक किंवदंतियाँ व मिथक जुड़े हुए है और पिछली कई शताब्दियों से उनका पालन भी हो रहा है, इन्हीं मिथकों या किंवदंतियों में से अवंतिका (उज्जैन) के बारे में करीब दो शताब्दियों से यह मिथक चली आ रही है कि चूंकि उज्जैन के राजा भगवान महाकाल है, इसलिए इस नगर में देश या प्रदेश का कोई भी राजा या राजप्रमुख रात्रि विश्राम नहीं कर सकता और यदि कोई मुखिया यहां रात्रि विश्राम करेगा तो उसका जीवन खतरे में पड़ सकता है, अब यह तो उज्जैन के किसी इतिहास में उल्लेख नहीं है कि इस किंवदंती का जन्मदाता कौन है, किंतु ऐसा माना जाता है कि जब तत्कालीन ग्वालियर स्टेट में उज्जैन शामिल था, तब संभवतः तत्कालीन सिंधिया शासकों ने ही इस किंवदंती को जन्म दिया था और उन्होंने ही उज्जैन दौरे के समय रात्रि विश्राम हेतु उज्जैन की सीमा से बाहर कालियादह महल बनवाया था और वे जब भी उज्जैन आते थे तो कालियादह महल में ही रात्रि विश्राम करते थे। यह तो हुई किंवदंती के जन्म की बात। किंतु आश्चर्य यह कि पिछली दो शताब्दियों से चली आ रही इस किंवदंती को किसी भी देश या प्रदेश के शासक ने तोड़ने का प्रयास नहीं किया, बल्कि उज्जैन शहर की तत्कालीन सीमा से बाहर विश्राम गृह (सर्किट हाउस) बनवा कर उसका पालन किया। यहां तक कि भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद प्रथम कालिदास समारोह का उद्घाटन करने के लिए उज्जैन आए तब उनके रात्रि विश्राम के लिए फटाफट उज्जैन की तत्कालीन सीमा से बाहर सर्किट हाउस बनवाया गया और वे उसी में रूके।

प्रकृति की मार के बाद लाचार दिखता है मनुष्य...

शिखर चंद जैन

जब-जब भूस्खलन, हिमस्खलन, भूकंप, बाढ़, अकाल, अतिवृष्टि, शीतलहर या जानलेवा लू चलने जैसी प्राकृतिक आपदाएं या समस्याएं सामने आती हैं, तब-तब इंसान कुछ ऐसी ही प्रतिक्रियाएं देता है कि हे प्रभु यह कैसा कहर ढाया! कैसा अन्याय किया! सर्वनाश कर दिया! लेकिन इंसान भूल जाता है कि जो कुछ हो रहा है, इसका दोषी प्रकृति नहीं, बल्कि वह स्वयं है। इंसान अपने कर्मों का ही दुष्परिणाम भोग रहा है। सच यह है कि इंसान प्रकृति के प्रति आदतन लापरवाह और कृतघ्न रहा है और सदैव प्रकृति का दोहन, शोषण और भोग ही करता रहा है। अगर प्रकृति का सम्मान किया गया होता और उसे उसके स्वाभाविक रूप में रहने दिया गया होता, तो आज धरती की यह स्थिति नहीं होती। आश्चर्य तब होता है, जब रोज तुलसी सींचने वाले, तुलसी विवाह करने, पीपल में पानी देने और अपने घर में फूलों के पौधे या अपने मकान के अहाते में विशाल बगीचा लगाने वाले या प्रकृति संरक्षण पर लंबी-चौड़ी बातें करने वाले लोग कई बार खुद लकड़ी का कारोबार करते पाए जाते हैं। सच यही है कि एक इंसान में कई-कई इंसान होते हैं। प्रकृति की मार जब पड़ती है, तब यही मनुष्य लाचार दिखता है। दुख से दो-चार होता है, मगर प्रकृति को नुकसान पहुंचाने के मामले में यही मनुष्य आगे रहता है। हम सभी समय-समय पर स्वार्थी, क्रूर, अन्यायी, ईर्ष्यालु और बुरा चाहने वाले या दोषारोपण करने वाले बनते रहते हैं। वहीं हम समय-समय पर दयालु, लोगों की तरफ मदद का हाथ बढ़ाने वाले, प्रकृति की रक्षा और उसका सम्मान करने वाले और लोगों से प्यार करने वाले भी बनते रहते हैं। कई बार यह समझना मुश्किल हो जाता है कि एक ही व्यक्ति के भीतर इतनी परतें कैसे मौजूद होती हैं और कैसे वह इसका निर्वाह कर लेता है। शायद यह भी एक पक्ष होगा कि वक्त और जरूरत के मुताबिक उसे अपनी प्राथमिकताओं का निर्धारण करना पड़ता होगा। इसके व्यापक संदर्भ निजी कंपनियों या कारपोरेट जगत में ऐसे कई उदाहरण देख जा सकते हैं। जो कंपनियां सामाजिक कल्याण या उत्थान के अभियान चलाती हैं, संस्थाओं को मोटी रकम चंदा में देती हैं, वे ही सेहत के लिए नुकसानदायक उत्पाद बनाती हैं या फिर नकली उत्पाद या समाज के लिए हानिकारक सेवाएं, वीडियो गेम आदि का विक्रय करती पाई जाती हैं। लेकिन क्या कंपनियों के ऐसे रवैये को इंसानों के उस व्यवहार के समांतर देखा जा सकता है, जिसमें वह परिस्थितिवश किसी विकल्प का चुनाव करता है? शायद नहीं! यों हर किसी के व्यक्तित्व के दो पहलू होते हैं, एक स्याह और दूसरा सफेद। जो व्यक्ति एक चिकित्सक के रूप में मरीजों के प्रति दयालु हो, वह अपने परिवार के सदस्यों के प्रति क्रूर हो सकता है या फिर इसके विपरीत भी हो सकता है कि वह मरीजों के प्रति निर्दयी और परिवार के प्रति बेहद संवेदनशील हो। इसी प्रकार अपने गरीब कर्मचारियों के प्रति कठोर रहने वाला और उनका आर्थिक शोषण करने वाला मालिक कहीं मुफ्त में गरीबों को भोजन खिलाते हुए पाया जा सकता है। 'ग्रेटर गुड साइंस सेंटर' के सह-निदेशक डेचर केल्टनर की राय है कि साठ फीसद बार हम अपने निजी स्वार्थ और अपने अस्तित्व को बनाए रखने के वशीभूत रहते हैं, लेकिन चालीस फीसद बार हम त्याग और परोपकार की भावना भी रखते हैं। हम सबकी भावनाएं और व्यवहार कई बाह्य और आंतरिक कारणों पर निर्भर करती हैं। हम चीजों को अलग-अलग नजरिए से देखते हैं और तदनुसार व्यवहार करते हैं। यह नजरिया धार्मिक, नैतिक, व्यावसायिक, व्यावहारिक, बौद्धिक, दार्शनिक, भावनात्मक कुछ भी हो सकता है। हम अपने निजी स्वार्थ के लिए कई बार भूखे पेट रहने का दंभ भरते हैं, जबकि यह अभाव की वजह से भूखे रहने के मुकाबले बिल्कुल उलट स्थिति है। कई बार हम बेरोजगार होने या अभावग्रस्त होने पर बेईमानी सहित कोई भी बड़ा कदम उठाने के लिए तैयार हो जाते हैं। लेकिन हमेशा ऐसा नहीं होता। कई बार सर्वसाधन संपन्न होने के बावजूद कुछ इंसान बेईमानी या अपराध करते हैं, ताकि वे और ज्यादा साधन संपन्न या शक्तिशाली हो सकें। या फिर अपनी शक्ति का प्रदर्शन करने के लिए भी लोग ऐसा करते हैं। इसलिए जब भी हम प्रकृति या किसी दैवीय शक्ति या फिर व्यक्ति की आलोचना करते हैं, उसे कोसते या उलाहना देते हैं तो याद रखना चाहिए कि सब कुछ हमारा ही किया-धरा है। या फिर जो है, उसमें हमें अपनी जिम्मेदारी के बारे में भी विचार करना चाहिए। जब हम दुनिया को बुराई की खान बताते और लोगों की आलोचना करते हैं, तो हमें भूलना नहीं चाहिए कि यह दुनिया हमारी ही बनाई हुई है।

कश्मीर में आया बदलाव हैरान करता है

1980 के दशक में जब मैं दिल्ली के एक कॉलेज में पढ़ रहा था, हर गर्मी में हम कश्मीर ट्रैकिंग के लिए जाते थे। हम खिलानमार्ग से गुलमर्ग तक पैदल चलते थे। कश्मीर की तस्वीर सपनों जैसी थी, पर श्रीनगर और अरु की सड़कों पर लोगों में असंतोष और बेरुखी का भाव देखना मुश्किल नहीं था। उदाहरण के लिए यह सवाल आम था कि 'तुम भारत से हो?' फिर आतंकवाद का दौर शुरू हुआ। त्राल, जहां से हम सांगरगुलु जाते थे, उसका कब्जा आतंकवादियों के हाथ में चला गया। ऊपर इचिगम के मैदान, जहां कश्मीरी हिरण गर्मियों में आते थे, वह आतंकवादी गतिविधियों का बेस कैंप बन गया। कश्मीर के दुरस्थ हिस्सों में ट्रैकिंग या कैंपिंग करना मुश्किल हो गया। इस अगस्त में मैं अपने पुराने घर गया। बेटा कौस्तुभ साथ था। हम अरू से लिड्डरवत तक पैदल चले। हमने लिड्डर नदी के किनारे सेकीवास के मैदान में कैंप किया। अगली सुबह हमने 13,500 फीट की ऊंचाई पर अत्यंत शुद्ध तरसर झील तक जाने का साहस किया। याद आया, 40 साल पहले जब मैं अपने कॉलेज के दोस्त पल्लव दास के साथ मार्सर झील तक गया था, उसने बर्फ में लिखा था 'आत्मय प्रतिबिंब' मतलब आपकी आत्मा का प्रतिबिंब। चार दशक पहले कश्मीर में ट्रैकिंग के दौरान हमें केवल अंग्रेज, जर्मन, बंगाली या महाराष्ट्रियन हाइकर्स मिलते थे। आज अरू से तरसर झील तक हाइकर्स में अधिकांश कश्मीरी थे। मैंने हर समूह से बातचीत की, एक समूह में केसर उगाने वाले कुछ किसान थे। एक किसान ने मुझे यूपीआई इंटरफेस के माध्यम से केसर बेचा भी। जब मैंने बताया कि मैं दिल्ली से आया हूं, तो उसने कहा, 'पिछले साल मैं भी दिल्ली गया था, मैंने जामा मस्जिद भी देखी। मुझे दिल्ली पसंद आई।' दूसरा समूह कश्मीरी इंजीनियरिंग स्टूडेंट्स का था। मैंने कहा कि मेरा रुझान वाइल्डलाइफ की ओर है, लेकिन लिडरवॉट में बकरवाल ग्रेजर्स के प्रभाव के कारण वाइल्डलाइफ लिडर घाटी से पीछे हट गया है। उसने कहा, 'हां, आप श्रीनगर चिड़ियाघर में वाइल्डलाइफ देख सकते हैं, लेकिन हमारा दिल्ली चिड़ियाघर भी बेहतर है।' हमने एक पारंपरिक कश्मीरी रेस्तरां में कश्मीर के एक युवा पूर्व विधायक के साथ लंच किया। उसने कहा, 'मुझे यकीन नहीं होता कि आज वैली में मैं बिना गनमैन के सफर करता हूं, या कि आपके साथ पत्थरबाजी की चिंता किए बिना खुले में लंच कर सकता हूं।' उसने पुणे में अपनी पढ़ाई की थी और मुझसे फ्लुएंट मराठी में बात की। उसकी एकमात्र शिकायत थी कि कश्मीर में किसी भी घटना के बाद, भारत भर में पढ़ रहे कश्मीरी छात्रों को परेशानी नहीं होनी चाहिए। हवा में कुछ जादू था। मुझे यह जानने की इच्छा हुई कि कश्मीर में यह परिवर्तन कैसे हुआ। एक प्यारे कश्मीरी दोस्त ने बताया कि अनुच्छेद 370 के बाद सेना और केंद्रीय बलों ने सीमा पार आतंकवाद का सामना करने के लिए ही बंदूकें इस्तेमाल कीं। स्थानीय पुलिस को स्थानीय अपराध और कानून-व्यवस्था से निपटने के लिए मुक्त कर दिया गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने 15 अगस्त 2021 को लाल किले से कहा कि 'हमने मिशन कर्मयोगी शुरू किया है और जन- केंद्रित दृष्टिकोण को बढ़ावा देने के लिए क्षमता निर्माण आयोग की स्थापना की है।' क्षमता निर्माण आयोग ने पिछले 2.5 वर्षों से जम्मू और कश्मीर पुलिस बल के साथ निकटता से काम किया ताकि सभी पुलिस स्टेशन के प्रमुख अधिकारी नागरिकों के प्रति सहानुभूति से काम करें। उन्हें ऐसा करने का प्रशिक्षण भी दिया गया। हमने भारतीय गुणवत्ता परिषद द्वारा प्रशिक्षण के बाद प्रभाव का मूल्यांकन किया। प्रशिक्षण से पहले और बाद में पुलिस स्टेशन से संबंधित अनुभव के बारे में लगभग 200 नागरिकों से फीडबैक लिया। मूल्यांकन ने दिखाया कि नागरिकों के संतोषजनक अनुभव बढ़े थे।

आज का राशिफल

मेष [illegible]

वृषभ [illegible]

मिथुन [illegible]

कर्क [illegible]

सिंह [illegible]

कन्या [illegible]

तुला [illegible]

वृश्चिक [illegible]

धनु [illegible]

मकर [illegible]

कुंभ [illegible]

मीन [illegible]

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5092

	3	6	9					
2				8				5
			1		6	8		
	2	7	4		1		9	
	1						4	
	4		2		8	7	3	
		2	8		5			
1				3				6
					9	2	8	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5091

7	6	2	3	1	9	4	8	5
9	4	3	5	8	6	7	1	2
5	8	1	7	2	4	6	9	3
6	3	4	9	7	5	1	2	8
1	9	7	8	3	2	5	6	4
2	5	8	4	6	1	3	7	9
3	2	5	1	9	7	8	4	6
8	1	9	6	4	3	2	5	7
4	7	6	2	5	8	9	3	1

वर्ग पहेली 5092

संकेत: बाएं से दाएं

1. संसार की सबसे अधिक सड़कें इस देश में है (3)
4. भारत की इस नदी को वृद्धगंगा भी कहा गया है (4)
7. राजपत्र को यह भी कहते है (3)
8. वह जो दूसरों को कुछ न कुछ देते रहता हो (3)
9. कुछ समय के लिए रोकने का भाव, निलंबन, रूकाव (2)
11. इस कृति के लिए महादेवी वर्मा को ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त हुआ था (2)
13. छंद गति, संगीत तर्ज, नीर और क्षीर मिश्रण (2)
15. आतंकानुभवी, मनोभाव, फोबिया, भयानुभूति (3)
16. सुंदर सखी, पूर्व प्रसारित टीवी धारावाहिक महाभारत में कुंती की भूमिका निभाने वाली अभिनेत्री (4)
17. ध्यान स्थान या संधि सूत्र को यह भी कहा जाता है (5)
20. पशु, मवेशी (4)
21. जंगल कीपरिंग, हीरा (3)
22. नासमझ, अनुभवहीन, भोला (3)

ऊपर से नीचे

1. तकदीर या किस्मत के सितारे चमकना, भाग्योदय होना (5)
2. पराग के कण, धूल, गर्द (2)
3. दलबंदी से दूर रहने वाला, उदासीन (3)
4. यह मुंशी प्रेमचंद का अंतिम और सबसे महत्वपूर्ण उपन्यास माना जाता है (3)
5. देने वाला, दायक (2)
6. विवाह हेतु वर का वधू के यहां संबंधी रिश्तेदारों को यहां जाना (4)
10. प्यारे ध्वनि करना, तेज आवाज करना (6)
12. माह, तीस दिनों का समय, महीना (2)
14. वनस्पति, भूमिजात (4)
15. निस्संतान, बेऔलाद, वंशहीन (5)
18. मांद, गड्ढा, गुहा (2)
19. रूक-रूककर बोलने वाला और अस्पष्ट उच्चारण करने वाला (3)
20. हरियाणा की प्रसिद्ध जाति (2)

वर्ग पहेली 5091 का हल

उ	त्त	र	प्र	दे	श	■	गो
मा	■	ज	लि	म	■	स	वा
भा	र	त	■	धा	■	ल	व
र	ज	■	गी	र	स	■	री
ती	त	र	■	■	ई	■	■
■	प	ख	ना	पु	र	■	स
अ	ट	क	ल	■	■	ता	ज
ज	■	ना	क	र	ग	ड़	ना

श्रीमद् भागवत ज्ञान प्रधान नहीं भक्ति प्रधान ग्रंथ है-उत्तमस्वामीजी

मंदसौर, 21 दिसम्बर गुरु एक्सप्रेस। प.पू. महर्षि महामण्डलेश्वर श्री उत्तमस्वामीजी के मुखारविन्द से मंदसौर के रूद्राक्ष माहेश्वरी धर्मशाला में सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा (ज्ञान गंगा महोत्सव) का आयोजन हो रहा है। रामगोपालजी प्रहलाद महेश काबरा, सत्यनारायणजी, हरिश, महेश, रम्मू गर्ग (केडिया), कुंदनमलजी, प्रहलाद, ब्रह्मप्रकाश, पियूष गर्ग (केड्या) परिवार के द्वारा श्रीमद् भागवत कथा का यह आयोजन किया जा रहा है। श्रीमद् भागवत कथा के पंचम दिवस गुरूवार को महर्षित महामण्डलेश्वर श्री उत्तमस्वामीजी ने कहा कि वस्त्र (कपडो) की पवित्रता से ज्यादा विचारों की पवित्रता जरूरी है। यदि ईश्वर की कृपा प्राप्त करना है तो सर्वप्रथम अपने विचारों में शुद्धि लाओं। जब तक विचारों में शुद्धि नहीं आयेगी तब तक प्रभु की कृपा प्रापत नहीं होगी। आपने कहा कि कितने भी अच्छे कपड़े पहन लो आभूषण पहन लो लेकिन हमारे विचारों में शुद्धि नहीं है तो यह किसी काम के नहीं है। विचारों की अशुद्धता अर्थात मन की मलिनता ही ईश्वर से दूरी का कारण है। दुनिया के लिये हम अच्छे दिखे इससे ज्यादा जरूरी है कि हम स्वयं अपने विचारों से शुद्ध बने। यदि विचार शुद्ध होंगे तो प्रभु की कृपा स्वयं ही प्राप्त हो जायेगी। गोकुल, वृन्दावन, मेहसाणा की गोपियों के विचार शुद्ध थे इसी कारण उन्हें प्रभु श्री कृष्ण का सानिध्य और उनकी प्रत्यक्ष भक्ति का अवसर मिला। महर्षि तुलसीदास सहित कई महापुरूषों ने विचारों की शुद्धि को महत्वपूर्ण बताया है। श्रीकृष्ण जो कि विष्णु के अवतार थे उन्हें भक्तों के कारण गोकुल-वृन्दावन में आना पडा।

भागवत ज्ञान प्रधान नहीं भक्ति प्रधान ग्रंथ है- महर्षि महामण्डलेश्वर श्री उत्तमस्वामीजी ने कहा कि श्रीमद् भागवत ज्ञान प्रधान नहीं भक्ति प्रधान ग्रंथ है। सनातन धर्म में ज्ञान के तो कई ग्रंथ मिल जायेंगे लेकिन भक्ति का कोई श्रेष्ठ मानने वाला ग्रंथ है तो वह श्रीमद् भागवत ही है। भागवतजी ने गोपियों की जो भक्ति बताई है वह ज्ञानियों की भक्ति से कई गुणा श्रेष्ठ है। गोकुल वृन्दावन की गोपियों ने अपनी भक्ति से कृष्ण की कृपा पायी। वृन्दावनकी गोपियों ने भक्ति का मार्ग बताकर ज्ञान को भी छोटा कर दिया।

लोभ को नहीं भक्ति को महत्व दे- महर्षि महामण्डलेश्वर उत्तम स्वामीजी ने कथा में कहा कि लोभ से भक्ति कम होती है। जब किसी मनुष्य को लोभ की पूर्ति नहीं होती है तो उसके मन में ईश्वर के प्रति संशय होता है इसलिये जीवन में ईश्वर की कृपा प्राप्त करना चाहते है तो सर्वप्रथम अपनी लोभ की प्रवृत्ति को छोडो। लोभ का त्याग व ईश्वर के प्रति समर्पण ही ईश्वर की कृपा का पात्र आपको बना सकता है।

लड्डूगोपाल को 56 भोग लगाया गया- श्रीमद भागवत कथा के पंचम दिवस प.पू. उत्तम स्वामी के सानिध्य एवं उनकी प्रेरणा से कथा आयोजक परिवार काबरा व गर्ग परिवार के द्वारा भगवान श्री कृष्ण के बाल स्वरूप लड्डू गोपाल की प्रतिमा के समक्ष 56 भोग के दर्शन का धर्मलाभ लिया।

श्रीकृष्ण की बाल लिलाये श्रवण कराई स्वामीजी ने- गुरूवार को कथा में श्री उत्तमस्वामीजी ने भगवान श्री कृष्ण के जन्म के बाद की कथा का विस्तार से वर्णन धर्मालुजनों को श्रवण कराया। संतश्री ने भगवान श्रीकृष्ण के वृन्दावन-गोकुल आगमन की श्रीकृष्ण की बाल लिलाओं श्रवण कराई गई। श्री कृष्ण के द्वारा माखन की चोरी और कृष्ण की मित्र मण्डली की लीलाओं का भी उत्तमस्वामीजी ने वर्णन श्रवण कराया। श्री कृष्णजी की बाललीलाओं को श्रवण कर धर्मालुजन इतने भाव विभोर हो गये कि वे भक्ति भाव से नृत्य करने लगे।

विशिष्ठअतिथियों ने किया पौथी पूजन- श्रीमद भागवत कथा के पंचम दिवस राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ जिला संघ चालक श्री दशरथसिंह झाला, प्रदेश के पूर्व मंत्री श्री नरेन्द्र नाहटा, उद्योगपति व समाजसेवी विजेन्द्र सेठी, बलजीतसिंह नारंग, कोमल बाफना, गोपालकृष्ण पाटील, भाजपाप्रदेश कार्यसमिति सदस्य अनिल कियावत, जनपद पंचायत अध्यक्ष बसंत शर्मा, प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. विजयशंकर मिश्र, किशनगढ राजस्थान विधायक सुरेश टांक ने काबरा व गर्ग (केडिया) परिवार के आग्रह पर कथा पाण्डाल पहुंचकर भागवत पौथी का पूजन किया व संतश्री से आशीर्वाद लिया।

कथा समापन पर कथा का समय परिवर्तित- 23 दिसम्बर, शनिवार को श्रीमद् भागवत कथा का समय प्रात: 10 से रहेगा। कथा समापन दिवस पर कथा दोप. 1 बजे की बजाय प्रात: 10 बजे प्रारंभ होगी। काबरा व गर्ग (केडिया) परिवार ने धर्मालुजनों से समय पर पधारने की विनती की है।

प्रदेश सरकार के विकास दृष्टीकोण पर आधारित राज्यपाल के अभिभाषण पर...

विधायक जैन ने संशोधन प्रस्ताव रखा

शिवना शुद्धीकरण एवं श्री पशुपतिनाथ महालोक निर्माण को शामिल करने की मांग

मंदसौर, 21 दिसम्बर गुरु एक्सप्रेस। नव निर्वाचित मंदसौर विधानसभा के विधायक श्री विपिन जैन ने नवनिर्वाचित सरकार के गठन के उपरांत प्रथम विधानसभा सत्र के दौरान मध्यप्रदेश शासन के विकास दृष्टीकोण पर आधारित महामहीम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर संशोधन प्रस्ताव रख मंदसौर की जीवनरेखा मॉ शिवना के शुध्दीकरण एवं विश्व विख्यात भगवान श्री पशुपतिनाथ मंदिर के विकास हेतु महालोक विकास का प्रस्ताव शामिल करने की मांग रखी।

विधायक श्री विपिन जैन ने विधानसभा में विपक्ष की ओर से महामहीम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर चर्चा में भाग लेते हुये कहा कि अभिभाषण में नव निर्वाचित सरकार ने अनेक विकास योजनाओं एवं आमजन से सरोकार रखने वाले महत्वपूर्ण बिंदुओ को स्थान नही दिया है। उन्होनें भगवान श्री पशुपतिनाथ मंदिर जो कि पुरे भारत में बाबा पशुपतिनाथजी का एकमात्र मंदिर है उसके विकास की प्लानिंग को महामहीम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण में शामिल करने हेतु संशोधन प्रस्ताव रखा। इसके साथ ही उन्होनें मंदसौर जिले की जीवन रेखा मॉ शिवना के शुध्दीकरण के प्रस्ताव को भी संशोधन प्रस्ताव में शामिल करने की मांग की। इन दोनो महत्वपूर्ण मांगो को महामहीम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण में संशोधन हेतु प्रस्ताव देते हुये उम्मीद जतायी कि नव निर्वाचित सरकार बिना किसी भेदभाव के शिवना शुध्दीकरण एवं भगवान श्री पशुपतिनाथ महालोक निर्माण की लंबित विकास योजनाओं को धरातल पर उतारेगी।

मंदसौर आते ही बाबा पशुपतिनाथजी के दर्शन किये- विधानसभा सत्र समाप्त होने के उपरांत मंदसौर आते ही उन्होने भगवान श्री पशुपतिनाथजी के दर्शन कर क्षेत्र के विकास, नागरिको की सुख समृध्दि के साथ ही मॉ शिवना के शुध्दीकरण सहित अन्य कार्यो के आगामी समय में पुरे होने की कामना की।

विकसित भारत संकल्प यात्रा गांव-गांव में कर रही है भ्रमण

मंदसौर, 21 दिसम्बर गुरु एक्सप्रेस। विकसित भारत संकल्प यात्रा गांव-गांव में भ्रमण कर रही है। यात्रा में पात्र हितग्राहियों को लाभ वितरित किया जा रहा है। यात्रा मंदसौर जिले के सभी जनपद में भ्रमण कर रही है। यात्रा के दौरान विभागों के द्वारा विभाग की जानकारी एवं स्टाल लगाए गए हैं। जिसमें ग्रामीण जनों को योजनाओं के बारे में जानकारी दी जा रही है। यात्रा ने जनपद पंचायत मंदसौर में ग्राम कोलवा, चांदखेडी, डेरी एवं लीलदा, जनपद पंचायत मल्हारगढ में यात्रा पिपलिया जोधा एवं नापाखेडा, जनपद पंचायत गरोठ में यात्रा गारियाखेडी एवं चचावदा पठारी, जनपद पंचायत भानपुरा में यात्रा कालाखोट एवं सेंधारा, जनपद पंचायत सीतामऊमें तितरोद, कोटडा बहादुर, रनायरा एवं सेमलिया में भ्रमण किया। 22 दिसंबर 2023 को यात्रा ने जनपद पंचायत मंदसौर के ग्राम खजुरिया सारंग, पिपलिया कराडिया, खोराना एवं पिपलिया मारू, जनपद पंचायत मल्हारगढ में यात्रा गरनाई एवं सुदवास, जनपद पंचायत गरोठ में यात्रा पनवाडी एवं पिपलिया राजा, जनपद पंचायत भानपुरा में यात्रा औसारा एवं औसरना, जनपद पंचायत सीतामऊमें मामटखेडा, गोपालपुरा, कोट पिपलिया एवं पायाखेडी में भ्रमण करेंगी।

आरवी कॉलेज मनासा में विकसित भारत-2047 अंतर्गत कार्यक्रम सम्पन्न

मनासा, 21 दिसम्बर गुरु एक्सप्रेस। शासकीय रामचंद्र विश्वनाथ महाविद्यालय मनासा में 'विकसित भारत 2047 ' के संबंध में कार्यक्रम आयोजित किया गया श्र कार्यक्रम में देश के माननीय प्रधानमंत्री जी के विकसित भारत 2047 विजन के बारे में विद्यार्थियों को प्रोफेसर मुकेश मालवीय द्वारा विस्तार से बताया गया साथ ही विद्यार्थियों से ऑनलाइन और ऑफलाइन अपने सुझाव पोर्टल पर अपलोड करवाएं। महाविद्यालय में इस हेतु एक सेल्फी प्वाइंट भी बनाया गया जोकि आकर्षक का केंद्र रहा, महाविद्यालय विद्यार्थियों ने कार्यक्रम में बढ-चढकर भाग लिया और सेल्फी को ऑनलाइन सोशल मीडिया पर शेयर कर बाकी साथियों से भी इस अभियान में जुडने हेतु प्रेरित किया। इस अवसर पर महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. एम.एल.धाकड, डॉ. अनिल जैन , कार्यक्रम प्रभारी प्रो.मुकेश मालवीय, एनएसएस जिला संगठक प्रो. अरुण कुमार चौरसिया, कार्यक्रम अधिकारी प्रो. आशा पटेल सहित समस्त स्टाफ एवं बडी संख्या में एनएसएस के स्वयंसेवक एवं महाविद्यालय के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

तीन एनसीसी अधिकारी रिफ्रेशर कोर्स पूर्ण कर लौटे

मंदसौर, 21 दिसम्बर गुरु एक्सप्रेस। राष्ट्रीय कैडेट कोर ऑफिसर्स ट्रेनिंग कामठी नागपुर महाराष्ट्र में अकादमी का औपचारिक उद्घाटन। एनसीसी ओटीए भारत की अनूठी प्रशिक्षण संस्था है जहां स्कूलों और कॉलेजों के शिक्षकों और प्रोफेसरों को कठोर प्रशिक्षण दिया जाता है। और अछज के रूप में कमीशन प्रदान किया गया। उनके अगले प्रमोशन के लिए एनसीसी ओटीए में सालाना तीन रिफ्रेशर कोर्स चलाए जाते हैं। पदोन्नति के बाद उन्हें क्रमश: एसडी और जेडी के लिए कैप्टन और द्वितीय अधिकारी का पद दिया जाता है। 5 मध्य प्रदेश स्वतंत्र कंपनी एनसीसी नीमच के 3 एनसीसी अधिकारी फर्स्ट ऑफिसर सुरेश चंद्र राठौर उत्कृष्ट विद्यालय जावद, टीओ विक्रम शर्मा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कयामपुर मंदसौर, टी ओ धीरज शुक्ला श्री दलोदा पब्लिक स्कूल दलौदा, के अधिकारी 19 नवंबर को मंदसौर से सेकंड प्रमोशन हेतु कोर्स के लिए रवाना हुए नागपुर महाराष्ट्र में ऑफिसर ट्रेनिंग अकादमी कामठी में ट्रेनिंग पूर्ण की जहां पर पूरे भारतवर्ष के सभी राज्यों से एनसीसी अधिकारी शामिल हुए जहां पर भारतीय सेवा के प्रशिक्षको द्वारा प्रशिक्षण दिया जाता है। जिसमें सेकंड प्रमोशन हेतु पूरे माह में सभी गतिविधियों को करवाया जाता है फिजिकल वर्क, मैप रीडिंग, पी टी, ड्रिल, एफसीबीसी, लेक्चर लेना, एसएसबी इंटरव्यू, फायरिंग, फायरिंग होती है पूरे माह में अन्य क्लास से ली जाती है प्रशिक्षण दिया जाता है उसके पश्चात परीक्षा आयोजित की जाती है परीक्षा में उत्तीर्ण होने वाले अधिकारियों को सेकंड प्रमोशन के लिए पदोन्नति की जाती है। तीनों अधिकारियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए पूरे कोर्स को कंप्लीट किया और सकुशल कोर्स कंप्लीट कर मंदसौर पहुंचे। इस अवसर पर बटालियन कमान अधिकारी कर्नल रिजवान खान, सूबेदार जयप्रकाश सिंह, ट्रेनिंग जेसीओ, जयराम बडक, चीफ ऑफिसर वीरेंद्र कुमार तिवारी, एनसीसी अधिकारी ट्रूप कमांडर, विजय सिंह पुरावत, जितेंद्र कनौजिया, कुलदीप सिंह चुंडावत, आदि ने बधाई दी एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

राष्ट्रीय गणित दिवस विशेष....

गौरवमयी भारतीय गणित एवं गणितज्ञ जिन्होंने दूनिया को गणना करना सिखाया

महान गणितज्ञ श्री निवास रामानुजन ने अल्पायु में गणित का परचम वैश्विक स्तर पर फहराया

मंदसौर, 21 दिसम्बर गुरु एक्सप्रेस। देवभूमि भारत गणित एवं ज्योतिष शास्त्र की जन्मभूमि मानी जाती रही है। प्राचीन काल से ही भारतीय ऋषि महर्षियों ने ज्योतिष एवं गणित ज्ञान से पूरे विश्व को अभिभूत किया हैं गणित की व्यापकता सार्वभौमिक है। वैदिक काल से ही गणित विषय का प्रादुर्भाव गणपति और गण्या शब्द के रूप में ऋग्वेद में उल्लेखित हुआ है, गणित शब्द का प्रथम दृष्ट्व्या प्रयोग वेदांग ज्योतिष में ऋषि लगध ने निम्नांकित श्लोक में किया है -

यथाशिखा मयूराणाम् नागानाम् मणयो यथा। तद्वव वेदांत शास्त्राणाम गणितम् मूर्धानिस्थितस्थितमें

अर्थात सभी वेदांत शास्त्रों के शीर्ष पर गणित उसी प्रकार सुशोभित हैं, जिसे मोर के सिर पर शिखा तथा सर्प के फन पर मणि सुशोभित हैं।

गणित शब्द 'गण' धातु से क्त प्रत्यय लगाकर गिनना अर्थ में समाहित हैं आचार्य कौटिल्य ने शिशुकाल से ही बालक के लिए गणित की महत्व प्रतिपादित करते हुए लिखा है कि - व्रतचौलकर्म लिपि संख्यानश्च उपयुज् कर्म लिपि संख्या उपयोजित गणित ज्योतिष के रूप में इहलोक तथा परलोक के ब्रह्म ज्ञान का साधन है, सांख्यिकी के रूप में अर्थशास्त्र का नेत्र हैं, उच्च गणित के रूप में भौतिकी की आत्मा है, तो त्रिकोणमिति के रूप में व्योमगति का माध्यम है, वास्तुशास्त्र के रूप में मापन का उपाय है, तो वाणिज्य शास्त्र के रूप में व्यापार का सशक्त माध्यम है, अंकगणित के रूप में यह गणित समस्त लोक व्यवहार का प्राण है। वैदिक काल में गणित नक्षत्र विषय के अंतर्गत स्वीकारय थों क्योंकि धर्म परायण आर्य जाति यज्ञ प्रेमी थीं यज्ञफल की प्राप्ति तभी संभव थी, जब उसका अनुष्ठान यथाकाल यथानक्षत्र किया जाऐं यह गणना गणित द्वारा ही संभव थी, इस प्रकार भारत में यज्ञ रूपकारण गणित का उद्भव एवं विकास हुओं तथा विश्व ने भारत से गणित का प्रथम पाठ पढों धन्य है भारतभूमि की प्राचीन सनातन यज्ञ व्यवस्था, जो आज केवल प्राचीन धार्मिक रूढी के रूप में जानी जाती हैं किंतु इसी से गणित का जन्म हुआ, तथा कालांतर में इसी गणित ने मानवीय सभ्यता का परचम लहराने वाले आधुनिक विज्ञान के विकास के द्वार खोले।

व्यक्त गणित अर्थात अंकगणित एवं अव्यक्त गणित अर्थात बीजगणित के सम्यक अवलोकन से ज्ञात होता है, कि हमारे प्राचीन ऋषियों ने व्यक्त लोक का परमात्मा रुपी अव्यक्त लोक से संबंध मानते हुए सृष्टिप्रक्रिया में सर्वथा गणित के अनेक उच्च स्तरीय सिद्धांतों से परिचय करवायों यह सिद्धांत हमारी बुद्धि से बहुत परै, निरंतर कार्य कर रहे हैं गणित शास्त्र की ऐतिहासिक समृद्धता पर दृष्टिडालने पर हम देखते हैं, कि गणित में भारत का योगदान अत्यंत विशिष्टएवं विश्व प्रसिद्ध हैं गणित की महत्वपूर्ण शाखा अंकगणित का वैज्ञानिक रूप से भारत में विकास 500 से 1000 ई के मध्य हुओं इस काल में प्रसिद्ध भारतीय गणितज्ञ आर्यभट्ट, ब्रह्म गुप्त भास्कराचार्य, एवं बोधायन ने गणित की अद्वितीय पताकाओं को विश्वभर में फहरायों आचार्य वराहमिहिर द्वारा अपने पिता की स्मृति में उज्जैन के निकट कायथा ग्राम में स्थापित कापित्थका गुरुकुल सात सौ से अधिक वर्षों तंक गणित का विख्यात केंद्र रहों इसी गुरूकुल के हिंदू विद्वान कंक को बगदाद के दरबार में आमंत्रित किया गया थों जिसकेबाद भारतीय अंक पद्धति अरब देशों में पहुंचीं अंकगणित का आधार अंक प्रणाली है, जिसमें शून्य का महत्वपूर्ण स्थान हैं शून्य (0) की खोज का श्रेय संस्कृत व्याकरणाचार्य पाणिनि एवं पिंगला को जाता है, शून्य की खोजकर्ता के रूप में ऋषि गृत्समद का उल्लेख भी वैदिक साहित्य में मिलता हैं विश्व को शून्य से परिचय करवाने वाला हमारा भारत ही थों अरब देशों ने शून्य को 'हिन्दसा' नाम दियों

गणित के सर्वकालिक श्रेष्ठगणितज्ञ में शुमार कार्ल फेडरिक गॉस ने लिखा है कि, यह भारत ही है जिसने मात्र 10 संख्याओं के द्वारा बड़ी से बड़ी एवं छोटी से छोटी संख्याओं को व्यक्त करने की अद्भुत निराली पद्धति विश्व को दी हैं बीजगणित एवं रेखा गणित का विकास भी भारत में अतिप्राचीन काल में मानवीय सभ्यता के विकास के साथ ही प्रारंभ हो गया थों यह एक निर्विवादित सत्य है कि अधिकांश प्राचीन गणितिय ज्ञान का उद्गम स्थल भारत भूमि रही हैं भारतीयों का गणितीय ज्ञान वैदिक काल से ही देखने को मिला है, महान भारतीय विभूति गणितज्ञ स्वामी भारतीकृष्णा तीर्थ ने 'वैदिक गणित' नामक ग्रंथ की रचना कर गणित की दुनिया में एक नितांत नवीन दृष्टिकोण प्रस्तुत किया।

गणित दिवस की महत्ता- मानवता के विकास के लिए गणित के महत्व से रूबरू होना जरूरी। गणित प्रकृति की मूलभूत संरचना और विज्ञान का तर्कशास्त्र हैं गणित का अस्तित्व संसार के अस्तित्व का हिस्सा है। भारत में प्रत्येक वर्ष आज (22 दिसंबर) के दिन को राष्ट्रीय गणित दिवस के रूप में मनाया जाता हैं यह दिवस महान भारतीय गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन की उपलब्धियों को सम्मान देने एवं गणित के क्षेत्र में उनके अद्वितीय योगदान को याद करने के लिए मनाया जाता हैं इस दिवस को मनाने के पीछे उद्देश्य लोगों में मानवता के विकास के लिए गणित के महत्व के बारे में जागरूकता बढाना है. देश की युवा पीढी के बीच गणित सीखने के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण को प्रेरित करने, उत्साहित करने और विकसित करने के लिए कई पहल की जाती हैं श्रीनिवास का जन्म 22 दिसंबर 1887 में दक्षिणी भारत के कोयंबटूर के ईरोड नामक गांव में हुआ था। श्रीनिवास रामानुजन ने मात्र 12 वर्ष की उम्र में त्रिकोणमिति में महारत हासिल कर ली और बिना किसी की सहायता के खुद से कई प्रमेय भी विकसित कियेंउनकी बायोग्राफी 'द मैन हू न्यू इंफिनिटी' 1991 में पब्लिश हुई थी, जिसपर एक फिल्म भी बन चुकी हैं रामानुजन भारतीय ही नहीं विदेशी गणितज्ञों के लिए प्रेरणास्रोत रहे हैं श्रीनिवास के छोटे-से जीवनकाल की उपलब्धियों का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि उनके निधन के बाद उनकी 5,000 से अधिक प्रमेय छपवाई गई। इन गणितीय प्रमेयों में अधिकतर ऐसी थीं जिन्हें कई दशक बाद तक भी सुलझाया नहीं जा सका। गणित के क्षेत्र में की गई रामानुजन की खोजें आधुनिक गणित और विज्ञान की बुनियाद बनकर उभरी हैं। उन्हें 'गणितज्ञों का गणितज्ञ' और 'संख्याओं का जादुगर' कहा जाता है।

लक्ष्मी नारायण पपोंडिया, नगरी

संत श्री गाडगे बाबा की पुण्यतिथि पर वसीठा धोबी समाज द्वारा श्रद्धांजलि अर्पित कर पौधारोपण किया

मंदसौर, 21 दिसम्बर गुरु एक्सप्रेस। श्री राम मंदिर वसीठा धोबी समाजजन द्वारा समाज के जनक व महान संत श्री गाडगे महाराज की पुण्यतिथि पर बाबा गाडगे को पुष्पांजलि अर्पित की गई,सभी उपस्थित समाजजन द्वारा गाडगे बाबा को याद कर उनके बताए सदमार्गों पर चलने ओर उनके द्वारा किए गए समाज सुधार को जन जन तक पहचाने का संकल्प लिया ,

गौरतलब है की बाबा गाडगे संविधान निर्माता बाबा साहब अम्बेडकर के साथ समाज सुधार और स्वच्छता के लिए पूरे देश में अलख जगाने में अग्रणी रहे थे , उनकी पुण्यतिथि पर धोबी समाज ने पशुपतिनाथ परिसर के पास समाज के प्राचीन श्री राम मंदिर पर राम सीता व लक्ष्मण जी की आरती की, पितृपुरुष बगदीरामजी रेटूदीया की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम आयोजित किया, सभी समाजजनों ने बाबा गाडगे को याद कर भावभीनी आदरांजलि अर्पित की, साथ ही मंदिर परिसर में वृक्षारोपण किया, जिसमे कई तरह के पौधे रोपे गए व उनकी देखभाल करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर वसीठा धोबी समाज जिलाध्यक्ष रामनारायण हिंगोरिया, मंदिर समिति अध्यक्ष मनोहर बागडिया,उपाध्यक्ष वरदीचंद धोडिया, अध्यक्ष मनोज सांखला (कालका माता समिति) , पूर्व अध्यक्ष राजू अखेरिया, जगदीश रेटूदिया, राजू भाई रेटूदिया, मुकेश ब्रिजवानी, मनोहर बाडोलिया, अम्बालाल हिंगोरिया, बाबूलाल बाडोलिया,दिलीप देवडा,नितिन बृजवानी, विजय बृजवानी,राजेन्द्र बंजरिया, कैलाश राजवानिया, कन्नू परासिया, अजय बडोलिया लवेश ब्रिजवानी सहित कई समाजजन मौजूद रहे।

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	105	2000	2200
उडद	19	4499	8999
सोयाबीन	2568	4200	4829
गैहु	1270	2380	3100
चना	88	4900	5200
मसुर	131	4940	5920
धनिया	373	4801	6801
लहसुन	11500	7000	22800
मैथी	340	5201	7701
अलसी	1035	4400	5170
सरसो	425	4396	5030
तारामीरा	00	00	00
इसबगोल	15	10100	18250
प्याज	10000	500	2000
कलोंजी	33	10699	16406
डॉलर	9	8000	12801
तिल्ली	19	13899	16240
मटरसुखी	8	2741	2811
असालीया	26	9881	10333

सीए विरेन्द्र जैन अध्यक्ष एवं सीए नयन जैन सचिव निर्वाचित

मंदसौर में सीए ब्रांच का शुभारंभ 24 को

मंदसौर, 21 दिसम्बर गुरु एक्सप्रेस। दि इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स की मंदसौर में सीए ब्रांच 24 दिसंबर 2023, रविवार को प्रारंभ होने जा रही है। अभी तक मंदसौर सीपीई चैप्टर संचालित किया जा रहा था। मंदसौर में सीए ब्रांच के आ जाने से सीए साथियों एवं स्टूडेंट्स को सभी सुविधाएं उपलब्ध हो जायेगी। विशेषकर विद्यार्थी को आई.टी. और ओ.टी. ट्रेनिंग बाहर जाकर करना होती थी, लेकिन अब शीघ्र ही मंदसौर में यह ट्रेनिंग प्रारंभ हो सकेगी। इसके साथ ही साथ विभिन्न विषयों पर लेक्चर्स, पुस्तकें एवं गाइडेंस मिल सकेगा।

आई.सी.ए.आई. की मंदसौर जिला शाखा की स्वीकृति में मंदसौर जिले के 8 क्षेत्रों को सम्मिलित किया गया है उसमें मंदसौर, मल्हारगढ, सीतामऊ, सुवासरा, भानपुरा, गरोठ, शामगढ एवं दलौदा है। मंदसौर सीए ब्रांच के लिये सर्वानुमति से वर्ष 2023-24 के लिये अध्यक्ष सीए विरेन्द्र जैन, उपाध्यक्ष सीए दिनेश जैन, सचिव सीए नयन जैन, कोषाध्यक्ष सीए विकास भण्डारी एवं कार्यकारी सदस्य सीए सिद्धार्थ अग्रवाल एवं सीए अर्पित नागदा निर्वाचित किये गये। आईसीएआई की मंदसौर शाखा की स्वीकृति के लिये सीए राजेश मण्डवारिया एवं सीए साथियों ने भी समय-समय पर सहयोग दिया, उसी का परिणाम है कि मंदसौर ब्रांच का शुभारंभ होने जा रहा है। सभी सीए साथियों ने शुभकामनाएं एवं बधाईयां प्रेषित की है।

विकसित भारत संकल्प यात्रा में पात्र हितग्राहियों को दिलाया जा रहा है योजनाओं का लाभ

मंदसौर, 21 दिसम्बर गुरु एक्सप्रेस। विकसित भारत संकल्प यात्रा 26 जनवरी 2023 तक पूरे जिले में भ्रमण करेगी। इस दौरान यह यात्रा प्रति दिन दो-दो ग्राम पंचायतों का भ्रमण कर रही है। जिले में 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' का आयोजन ग्राम पंचायत एवं वार्ड स्तरर पर किया जा रहा है। जिले में 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' अंतर्गत प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में दो-दो ग्राम पंचायतों में शिविर आयोजित कर सभी पात्र हितग्राहियों को केन्द्रीय योजनाओं लाभ दिलाया जा रहा है। यात्रा के दौरान कलेक्टर श्री दिनेश जैन ने ग्राम हतुनिया में विकसित भारत संकल्पज यात्रा में उपस्थित होकर यात्रा का जायजा लिया। उन्होनने ड्रोन प्रदर्शन का अवलोकन भी किया और विभागों द्वारा ग्रामीण जनों को दी जा रही योजना के बारे में जानकारी ली।

कार्यालय,ग्राम पंचायत फतेहगढ़, जनपद पंचायत मंदसौर

क्रमांक / पंचा. / दुकान / 2023 **दुकान नीलामी सूचना** दिनांक 22/12/2023

एतद सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत फतेहगढ़ जनपद पंचायत मन्दसौर जिला मन्दसौर द्वारा नव निर्मित व ग्राम पंचायत के स्वामित्व की दुकानों की निलामी (सिर्फ दुकानों का पट्टाधिकार) म.प्र पंचायत राज अधिनियम 1994 की धारा 65 तथा उनके तहत बने म.प्र. स्थावर संपति का अंतरण नियम 1994 के तहत दिनांक 30.12.2023 वार शनिवार को दोपहर 01:00 बजे मौके पर की जावेगी।

1- संपत्ति का विवरण निम्नानुसार है -

सम्पत्ति का विवरण	साईज	वार्षिक भाड़ा	निर्धारित प्रीमियम
दुकान क्रमांक 1 से 7 तक निर्मित	10X13	6000 /- प्रतिवर्ष	4.00रु लाख प्रति दुकान

2- आरक्षित व अनारक्षित दुकानों का विवरण निम्नानुसार है –

क्रमांक	आरक्षण सिक वर्ग हेतु किया गया है विवरण	दुकान का क्रमांक
1	अजा/ अजजा वर्ग	दुकान क्रं. 01 व 02
2	अन्य पिछड़ा वर्ग	दुकान क्रं. 03
3	महिला (विधवा, परित्यक्ता सहित)	दुकान क्रं. 04
4	नि:शक्त	दुकान क्रं. 05
5	अनारक्षित	दुकान क्रं. 06 एवं 07

मुख्य शर्तें -01 बोली स्वीकार करने का अधिकार सरपंच ग्राम पंचायत का होगा। 02 दुकानों की मात्र दुकानों के स्थल पर स्वयं निरीक्षण करें। 03. नीलामी में भाग लेने वाले अपनी अमानत राशि निर्धारित नीलामी के दिन 02 बजे के पूर्व तक कार्यालय ग्राम पंचायत में जमा करानी होगी। समयावधि पश्चात अमानत राशि जमा नहीं की जावेगी। 04. नीलामी बोली स्वीकृति होने पर 25 प्रतिशत राशि अमानत राशि को छोटकर जमा करना होगी शेष राशि 01 माह के भीतर आसान किस्तों में जमा कराना अनिवार्य होगा तत्पश्चात अनुबंध निष्पादन कराना होगा, तभी अधिपत्य सौंपा जावेगा। अन्यथा अमानत राशी व 25 प्रतिशत जमा राशि राजप्रहस्त हो जावेगी व नीलामी रद्द किया समझा जावेगा। 05. दुकान का आधिपत्य छत सहित होगा। 06. दुकानों की अन्य शर्तें कार्यालय ग्राम पंचायत में अवकाश के दिनों को छोड़कर कार्यालयीन समय में की जा सकती हैं। 07. निर्धारित न्यूनतम राशि से अधिक की बोली स्वीकार की जावेगी।

सचिव- अनिल पालीवाल
ग्राम पंचायत फतेहगढ़ , जनपद पंचायत मंदसौर

सरपंच – रिहाना बी -जाहिद खान
ग्राम पंचायत फतेहगढ़ , जनपद पंचायत मंदसौर

राज्यपाल के अभिभाषण के बाद सीएम मोहन यादव बोले...

लाड़ली लक्ष्मी सहित कोई योजना बंद नहीं होगी

भोपाल, 21 दिसम्बर गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश में नवगठित 16 विधानसभा के पहले सत्र का आज चौथा और अंतिम दिन है। विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने सुबह 11 बजे सदन की कार्यवाही शुरू की। सदन में राज्यपाल के अभिभाषण पर सत्तापक्ष और विपक्ष के मध्य चर्चा के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने संबोधित किया। यादव ने अपने संबोधन में सरकार का विजन बताया। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार की सभी योजनाएं जारी रहेंगी। मप्र में लाडली लक्ष्मी सहित कोई भी योजना बंद नहीं की जाएगी। मोहन यादव ने राज्यपाल के अभिभाषण का स्वागत करते हुए कहा कि केंद्रीय नेतृत्व का मैं धन्यवाद करता हूं। नेतृत्व ने एक मजदूर के बेटे को सीएम बनाया। उन्होंने कहा कि भाजपा में चाय बेचने वाले भी पीएम बनते हैं। मैं बहुत सौभाग्यशाली हूं वरिष्ठ नेता मेरे साथ हैं।

राज्यपाल के अभिभाषण पर कृतज्ञता ज्ञापन करते हुए सीएम मोहन यादव ने अपने संबोधन में सरकार की प्राथमिकता भी गिनाई। उन्होंने नई शिक्षा नीति के साथ सम्राट विक्रमादित्य का भी एकाधिक बार उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास शिक्षा से विकास को जोड़ना है। शिक्षा विकास का मार्ग प्रशस्त करेगी। मोहन यादव ने किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने क्रांतिकारी फैसले लिए हैं। हमारी सरकार ने राम मंदिर बनने का मार्ग प्रशस्त किया। डंके की चोट पर राम मंदिर बन रहा है। उन्होंने कहा कि मप्र सरकार 22 जनवरी को राम भक्तों का फूल बिछाकर स्वागत करेगी। सीएम ने यह भी कहा कि रामभक्तों को किसी के सर्टिफिकेट की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि राम की बात पूरी हो गई अब कृष्ण पर आ जाइये। मथुरा में अब कृष्ण कन्हैयालाल की जय जयकार कीजिये, लेकिन कांग्रेस को अब कृष्ण पर भी आपत्ति है। उन्होंने मप्र के धार्मिक स्थलों के नाम गिनाते हुए इनके विकास का संकल्प दोहराया। सीएम ने अपने संबोधन में महाकाल महालोक का भी उल्लेख किया। मोहन यादव ने कहा कि आज दुनिया सनातन संस्कृति को जानना चाहती है। हमारा लक्ष्य सर्वे भवंतु सुखिना है। हमें 5 साल में संकल्प पूरा करना है। सीएम ने कहा कि उज्जैन में 2028 का सिंहस्थ पूरी गरिमा से लगेगा। इसमें कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। सीएम ने कहा कि तय समय पर ही लाड़ली लक्ष्मी योजना की राशि खाते में डाली जाएगी। योजनाओं के लिए सरकार के पास पर्याप्त धनराशि है।

हर हाल में पूरी होगी गारंटी – सत्तापक्ष की ओर से विधायक कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी के आशीर्वाद से हम मप्र के विकास में चार चांद लगाएंगे। भाजपा का संकल्प पत्र मात्र संकल्प पत्र नहीं है। यह मोदी की गारंटी है। यह गारंटी हर हाल में पूरी होगी। मुझे इस बात की प्रसन्नता है कि एक मजदूर का बेटा जब मुख्यमंत्री बनता है तो सबसे पहले मजदूरों की चिंता करता है। मेरे पिताजी भी मिल में काम करते थे।

हितग्राहियों को ढूंढ-ढूंढकर देंगे लाभ – विजयवर्गीय ने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा भी मोदी गारंटी योजना है। यह यात्रा गांव-गांव में जा रही है और गरीब कल्याण की जितनी भी योजनाएं हैं, उनके फार्म भरवाकर लागों को उनका लाभ देने का काम मोदी के माध्यम से हमारी सरकार कर रही है। मोदी जी ने रथ भेजा है, एक कार्यक्रम भेजा है कि हरेक पंचायत में जाएं और जितने भी हितग्राही हैं, जिन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है, उन्हें ढूंढ-ढूंढकर लाभ दिलाएं।

वर्सेटाइल पर्सनेलिटी हैं मुख्यमंत्री– विजयवर्गीय ने सीएम डा. मोहन यादव की तारीफ में कसीदे पढ़े और कहा कि हमारे मुख्यमंत्री मोहन यादव जी बड़ी वर्सेटाइल पर्सनेलिटी हैं। वह यादव हैं, इसके अलावा वह कुश्ती प्रेमी हैं। कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष हैं। तलवार चलाने में भी वह माहिर हैं इसके अलावा वह इस सदन में मेरी जानकारी के मुताबिक सर्वाधिक शिक्षित व्यक्ति हैं। मुझे गर्व है कि उनके नेतृत्व में यह सरकार चलेगी। अंतिम दिन पिछली विधायक सदन में अध्यक्ष की कुर्सी के पीछे लगी नेहरू जी की फोटो हटाने समेत अन्य मुद्दों को लेकर हंगामा कर सकते हैं।

शिवराज, कमल नाथ नहीं मौजूद– इस सत्र के अंतिम दिन पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और कमल नाथ सदन में मौजूद नहीं रहेंगे। शिवराज इस समय सपरिवार अमरकंटक प्रवास पर हैं। वहीं कमल नाथ भी बाहर हैं। उन्होंने पहले ही पत्र भेजकर इसके लिए मंजूरी ले ली थी। कमल नाथ ने तो अब तक नव-निर्वाचित विधायक के तौर पर भी शपथ नहीं ली है। उन्हें बाद में शपथ दिलाई जाएगी।

भाजपा जिला मुख्यालय पर कार्यकर्ताओं ने जलाया टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी का पुतला

मंदसौर, 21 दिसम्बर गुरु एक्सप्रेस। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश के समस्त संगठनात्मक जिलों के साथ मंदसौर में भी भाजपा जिला मुख्यालय भाजपा जिला अध्यक्ष नानालाल अटोलिया के नेतृत्व में भाजपा पदाधिकारीगणों एंव कार्यकर्ताओं द्वारा टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी का पुतला दहन किया गया।

इस अवसर पर भाजपा किसान मोर्चा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बंशीलाल गुर्जर ने कहा की कांग्रेस और इंडी गठबंधन के लोगों ने जिस तरह से संसद में हंगामा किया और उप राष्ट्रपति श्री जगदीप जी धनखड का मखौल उड़ाया गया, यह सिर्फ राज्यसभा के सभापति का अपमान नहीं है, बल्कि यह देश की 140 करोड़ जनता का अपमान है। यह विदेशों में बसे लाखों भारतीयों का भी अपमान है और इस घटना से पूरा देश आंदोलित है। अपने इस शर्मनाक कृत्य के लिए राहुल गांधी और सोनिया गांधी को देश की जनता से सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए। टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी के पुतला दहन के अवसर पर उपस्थित कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष नानालाल अटोलिया ने कहा की उप राष्ट्रपति जी के अपमान की इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना में भले ही इंडी गठबंधन के नेता भी शामिल रहे हों, लेकिन कांग्रेस पार्टी इस पूरे मामले में अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकती। उप राष्ट्रपति जी की मिमिक्री भले ही टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी ने की हो, जो कैमरे के सामने एक महिला विधायक के गाल खींचकर अभद्रता करने में संकोच नहीं करते। लेकिन अपने ठहाकों और तालियों से उत्साहवर्धन करने वाले अन्य दलों के सांसद भी इसमें सहभागी रहे हैं। वहीं, कांग्रेस के नेता राहुल गांधी ने कल्याण बनर्जी को समझाने की बजाय उनका वीडियो बनाकर उनका उत्साह बढ़ाने का काम किया है। इसलिए इस घटना के लिए जितने दोषी कल्याण बनर्जी और इंडी गठबंधन के सदस्य हैं, उतने ही दोषी कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी भी हैं। इसलिए राहुल गांधी और सोनिया गांधी को अपनी इस करतूत के लिए देश की जनता से सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए। श्री अटोलिया ने कहा कि कांग्रेस पार्टी और उसके नेता राहुल गांधी अभी तक झूठ, छल, कपट की राजनीति करते रहे हैं, लेकिन अब ओबीसी का अपमान करना भी उनके राजनीतिक एजेंडे में शामिल हो गया है। श्री अटोलिया ने कहा कि जिस तरह से राहुल गांधी और उनके साथियों ने उप राष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ का अपमान किया है, वह सिर्फ उनका अपमान नहीं, बल्कि देश के संवैधानिक पद का अपमान है, जाट समुदाय का अपमान है और समूचे पिछड़ा वर्ग का अपमान है। राहुल गांधी और कल्याण बनर्जी जैसे नेताओं को उनकी इस करतूत के लिए देश की जनता कभी माफ नहीं करेगी।

इस अवसर पर पिछड़ा मोर्चा प्रदेश मंत्री धीरज पाटीदार, भाजपा जिला कोषाध्यक्ष राजु चावला, जिला मंत्री कृष्णपाल सिंह शक्तावत, निलेश जैन, किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष विक्रम सिंह महुआ, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष निर्मला गुप्ता, किसान मोर्चा जिला महामंत्री राजा बना, प्रकोष्ठ जिला संयोजक विनय दुबेला, दिनेश प्रजापति, भाजपा मंडल अध्यक्षगण अरविंद सारस्वत, ईश्वर सिंह पंवार, अजय आसेरी, , बंटी चौहान, अजीजुल्लाह खॉन, शिवलाल गुर्जर, नितिन ब्रिजवानी, दलपत डांगी, अंबालाल चौहान, गौरव प्रजापत, बंशी राठौर, सुनिता भावसार, हेमंत सोलंकी, अरूण भावसार, भेरूलाल साहू, इमरान अब्बासी, बिन्दु चन्द्रे, गोर्धनलाल कुमावत, जुझार लाल गायरी, नरेंद्र सिंह पंवार, धर्मेन्द्र जटिया सहित अनेक भाजपा पदाधिकारीगण एंव कार्यकर्ता गण उपस्थित थे। उक्त जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी निलेश जैन ने दी।

वॉलीबॉल प्रतियोगिता में 8 खिलाड़ियों का चयन

मंदसौर, 21 दिसम्बर गुरु एक्सप्रेस। मध्य प्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत राज्य स्तरीय पुरुष / महिला वर्ग वॉलीबॉल प्रतियोगिता दिनांक 21 दिसम्बर व 2 4 दिसंबर 2023 तक दमोह में आयोजित होगी , जिसमें भाग लेने वाली विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन वॉलीबॉल पुरुष व महिला टीम मे मंदसौर जिला वॉलीबॉल एसोसिएशन की खिलाड़ियों नमन शर्मा, चयन माली, अनिल दास बैरागी, कुणाल राठौड़, दिव्यांशी गुप्ता, नेहा सालवी, जानवी हाडा, सुमन पाटीदार, का चयन हुआ है यह सभी खिलाड़ी दमोह में आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय अंतर विश्वविद्यालय वॉलीबॉल प्रतियोगिता में विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे। खिलाड़ियों के चयन होने पर शासकीय पी.जी .कॉलेज मंदसौर के प्राचार्य डॉ एल.एन .शर्मा , पी.जी .कॉलेज मंदसौर के खेल अधिकारी राजू कुमार , जिला खेल एवं युवा कल्याण विभाग मंदसौर के खेल अधिकारी विजेंद्र देवड़ा, जिला क्रीड़ा अधिकारी मंदसौर बंशीलाल बारीवाल, पूर्व क्रीड़ा अधिकारी मंदसौर अशोक शर्मा ,पी.जी .कॉलेज दलौदा खेल अधिकारी अब्दुल रजाक , शासकीय कन्या कॉलेज मंदसौर के खेल अधिकारी मनीष पांचाल एवं जिला वॉलीबॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री नरेंद्र सिंह चौहान एवं सदस्यगण विनय दुबेला, संदीप खाबीया, शेर मोहम्मद खान, सज्जन श्रीमाल, रोहित शर्मा, अनिल पाटीदार, आशीष रेठा, आस्था भावसार, विनय अग्रवाल, संयम चौहान, व मंदसौर जिला वॉलीबॉल एसोसिएशन के सचिव श्री त्रिभुवन कविश्वर ने बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की यह जानकारी जिला वॉलीबॉल एसोसिएशन के कोच अभिषेक सेठिया ने दी।

अनुपयोगी कुए एवं नलकूप में छोटे बच्चों एवं व्यक्तियों के गिरने की घटना को रोकने के लिए जिले में धारा 144 लागू-कलेक्टर

मंदसौर, 21 दिसम्बर गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री दिलीप कुमार यादव ने अनुपयोगी कुए एवं नलकूप, खुले नलकूप, सार्वजनिक एवं निजी बोरवेल, खुले कुए/ कुईया, बिना मुंडेर वाले कुए में छोटे बच्चों एवं व्यक्तियों को गिरने की घटना रोके जाने के संबंध में दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा-144 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया है।

उच्चतम न्यायालय नई दिल्ली द्वारा पारित निर्णय के पालन में अनुपयोगी एवं खुले नलकूप (निजी एवं सार्वजनिक), बोरवल, कुए, कुईया, बावडी, बिना मुंडेर वाले कुए में छोटे बच्चों एवं अन्य व्यक्तियों के गिरने की घटनाओं को दृष्टिगत रखते हुए संपूर्ण जिला मंदसौर की सीमा में कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी, जिला मंदसौर, द्वारा दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा-144 के तहत आदेश जारी किया है। मंदसौर जिले की सीमा अंतर्गत स्थित समस्त सार्वजनिक एवं निजी नलकूप, बोरवेल जिनका कि उपयोग नहीं किया जा रहा है, या जिनमें मोटर नहीं लगी है, उन नलकूप / बोरवेल पर बोर केप लगाए जाने हेतु संबंधित मकान मालिक / कृषक / संस्था या समिति को आदेशित किया गया है। समस्त निजी / सार्वजनिक अनुपयोगी खुले कुए, कुईया, बावडी, बिना मुंडेर वाले कुए आदि को लोहे की मजबूत जाली लगाकर बंद किया जावे तथा जाली लगाने के बाद उसकी मुंडेर इनती उँची बनाई जावे कि बच्चे या कोई व्यक्ति उसमें गिर न सके। जिले में स्थित ऐसे समस्त परंपरागत प्राचीन कुए/बावडीयाँ जो कि लोगों द्वारा कब्जा कर गार्डर पट्टी या सीमेन्ट कांक्रीट से कवर्ड (बंद) कर दिया गया है या जो खाली पडे है. उन्हें मिट्टी / मटेरियल से पुरा भरकर लोहे की मजबूत जाली लगाकर बंद करे तथा उसकी उँची मुंडेर बनाई जावे, इसी तरह जिले में स्थित सड़कों, ग्राम सड़क, खेतों पर जाने वाले रास्ते पर एवं अन्य जगहों पर स्थित सार्वजनिक एवं निजी बिना मुंडेर के कुए / कुईया आदि की मुंडेर उँची कराई जाने के लिए निर्देशित किया गया है। अनुमति मिलने की स्थिति में बोरवेल मशीन संचालकों द्वारा नवीन बोरवेल/ नलकूप (निजी/सार्वजनिक) लगाए जाने पर कार्य समाप्ति उपरांत बोर को तत्काल ही बोर केप से बंद किया जावे या उस पर मोटर लगाई जाना अनिवार्य होगा, आदेश का उल्लंघन होने पर संबंधित बोरवेल मशीन संचालक के विरूद्ध कार्यवाही की जावेगी। उक्त आदेश का उल्लंघन करने वाले व्यक्ति अथवा व्यक्तियों / संस्थाओं के विरुद्ध भारतीय दण्ड संहिता की धारा 188के प्रावधानों के तहत कार्यवाही की जावेगी। यह आदेश दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 144 (2)के तहत एकपक्षीय रूप से पारित किया गया है।

अन्तरराष्ट्रीय ज्योतिष महाधिवेशन में भावेश तिवारी को किया सम्मानित

पिपलियामंडी, 21 दिसम्बर गुरु एक्सप्रेस। उज्जैन में सम्पन्न हुए अन्तरराष्ट्रीय ज्योतिष महाधिवेशन में पिपलियामंडी निवासी पंडित भावेश पिता कांतिलाल तिवारी को सम्मानित किया। विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन में आयोजित दो दिवसीय अन्तरराष्ट्रीय सोध संगोष्ठी व महा अधिवेशन में भारत, पाकिस्थान, अमेरिका, नेपाल के ज्योतिषाचार्यों, विद्वानों, संतों ने भाग लिया। इसमें अंकशास्त्र, हस्तरेखा, ज्योतिष व वास्तुशास्त्र में अव्वल पिपलियामंडी निवासी पंडित भावेष तिवारी को कार्यक्रम में उपस्थित अतिथि उज्जैन नगर निगम सभापति कलावती यादव, महापौर मुकेश टटवाल, विव कुलपति अखिलेश पांडे आदि की उपस्थिति में सम्मानित किया। उल्लेखनीय भावेश 2 बार महर्षि वेदव्यास अकादमी अहमदाबाद तथा महर्षि पाणिनी संस्कृत विश्वविद्यालय से 2 बार संस्कृत संभाषण, ज्योतिष व कर्मकांड में सम्मान, पदक व उपाधि प्राप्त कर चुके है।

आठ हॉकी खिलाड़ियों का राष्ट्रीय हॉकी कैंप के लिए चयन

मंदसौर, 21 दिसम्बर गुरु एक्सप्रेस। पिछले माह ग्वालियर और मंदसौर में आयोजित राज्य स्तरीय हॉकी प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर मंदसौर के 8 खिलाड़ियों का चयन सालेय राष्ट्रीय हॉकी प्रतियोगिता कैंप के लिए किया गया यह जानकारी हॉकी मंदसौर के अध्यक्ष कुलदीप सिंह सिसोदिया व सचिव अविनाश उपाध्याय ने दी। उन्होंने बताया कि मिनी वर्ग में भरत मौर्य, दुर्गा शंकर मौर्य (मां शारदा स्कूल) अमित गोर, सराहना राठौर (सेंट थॉमस स्कूल), सोमिल तलान , पलाक्सी व्यास (लोटस वेली स्कूल) वहीं जूनियर वर्ग में सक्षम सकवाया, आरव कॉपरगांव कर (सेंट थॉमस स्कूल) यह सभी खिलाड़ी 22 से 27 दिसंबर तक ग्वालियर में आयोजित राष्ट्रीय कैंप में प्रशिक्षण लेंगे इसके बाद 28 दिसम्बर 2023, से ग्वालियर में ही आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लेंगे इन सभी खिलाड़ियों का चयन राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर किया गया, ज्ञात रहे राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में उज्जैन संभाग मिनी बालक था खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर हॉकी मंदसौर के संरक्षक यशपाल सिंह सिसोदिया, विनोद जी गर्ग, विशाल गोयल, त्रिभुवन कविश्वर, जिला खेल अधिकारी विजेंद्र देवड़ा, कोच रवि कोपरगांवकर, दिनेश यादव, शैलेंद्र मसीह, खेलो इंडिया एन,आई,एस ,कोच वैभव चौरसिया, मीत चौहान, मंगल बैरागी, ओमप्रकाश गुर्जर, राजेंद्र सिंह, भरत सिंह, शासकीय महाविद्यालय मंदसौर के खेल अधिकारी राजू कुमार, शासकीय महाविद्यालय दलोदा के खेल अधिकारी अब्दुल रज्ज़ाक, सीनियर खिलाड़ी संजय तोमर, मनोज जैन, अंकित मंडोर, राकेश श्रीवास्तव, भारत देवड़ा, अजय सिंह गौड़, कमलेश शर्मा, शैलेंद्र परिहार, पिंटू आर्थर, डॉ हिमांशु यजुर्वेदी आदि ने बधाई दी व उनकी उज्वल भविष्य की कामना की।

नई रूटों के सर्वे कार्य में तेजी एवं स्टेशनों के विकास कार्यों में तेजी लाई जाए

सांसद सुधीर गुप्ता ने केन्द्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से की भेंट, मांगो को रखा

मंदसौर, 21 दिसम्बर गुरु एक्सप्रेस। सांसद सुधीर गुप्ता के गुरूवार को नई दिल्ली में केन्द्रीय रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव से भेंट कर संसदीय क्षेत्र में विभिन्न विकास कार्यो की योजनाओं को लेकर चर्चा की। सांसद गुप्ता ने रेलमंत्री से चर्चा में रतलाम से नीमच के दोहरीकरण कार्य तेजी से चल रहा है। इसमें ओर तेजी लाकर इस कार्य को पूर्णतया से शीघ्र किया जाए। नवीन रेल लाईन सर्वे, नवीन ट्रेनों के परिचालन, अमृत भारत स्टेशन योजना के विकास कार्यो को लेकर विस्तृत चर्चा की। सांसद गुप्ता ने कहा कि इसी के साथ ही सांसद गुप्ता ने कहा कि वंदे मातरम ट्रेन का परिचालन भी संसदीय क्षेत्र में किया जाए। इसके लिए ट्रेन का रूट निर्ध्ररित किया जाने का आग्रह किया, जिससे क्षेत्रवासियों को इसकी सुविधा का लाभ मिल सके। सांसद गुप्ता ने कहा कि संसदीय क्षेत्र के नवीन रूट प्रतापगढ़-मंदसौर, सुवासरा-मंदसौर के सर्वे कार्य में तेजी से लाई जाए। इसी के साथ ही नीमच-बडीसादडी लाईन के कार्यो में तेजी लाई जाए, जिससे अतिशीघ्र इस पर कार्य शुरू हो सकें। सांसद गुप्ता ने अमृत भारत स्टेशन योजनाअंतर्गत मंदसौर, नीमच और शामगढ़ के बाद क्षेत्र स्टेशनों को भी योजना में शामिल करने कीं बात कही। वहीं स्टेशनों के विकासो को लेकर भी विभिन्न मांग रखी। इसी के साथ ही संसदीय क्षेत्र में चल रहे ओवरब्रिज व अंडरब्रिज के कार्यो में गति लाने की बात कहीं । दलौदा, भैंसोदा, सुवासरा में स्वीकृत ओवरब्रिज के कार्यो में भी तेजी लाने की बात कही। सांसद गुप्ता ने कई नवीन ट्रेनों के परिचालन की भी मांग रखी। जिससे क्षेत्र के यात्रियों को सुविधा मिल सके। इस पर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मांगो पर शीघ्र कार्यवाही करने का आश्वासन दिया।

कल सर्वसमाज करेगा पुतला दहन

मंदसौर, 21 दिसम्बर गुरु एक्सप्रेस। तृणमूल कांग्रेस के सांसद कल्याण बनर्जी व राहुल गांधी द्वारा संसद के बाहर उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ का जो अपमान किया गया हैं इससे समस्त सर्व समाज में आक्रोश व्याप्त हैं। लोकतंत्र के मंदिर संसद का अपमान व वहां की गरिमा को खण्डित करने के विरोध में दिनांक 23 दिसम्बर 2023, शनिवार को दोप. 12 बजे सर्वसमाज द्वारा गांधी चौराहा पर सांसद कल्याण बनर्जी व राहुल गांधी का पुतला दहन किया जाएगा। उक्त जानकारी देते हुए सर्व समाज के विनोद जाट एवं राजेश जाट ने बताया कि यह सर्व समाज व उप राष्ट्रपति की पद कि गरिमा का अपमान हैं।

लोकतंत्र के मंदिर से कांग्रेस सहित विपक्षी सांसदों को निलंबित करने के विरोध में...

शहर कांग्रेस का प्रदर्शन गांधी चौराहा पर आज

मंदसौर, 21 दिसम्बर गुरु एक्सप्रेस। शहर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष डॉ राघवेन्द्रसिंह तोमर ने बताया कि कांग्रेस पूरे देश में 22 दिसंबर को सभी जिला मुख्यालयों पर केंद्र सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर रही है। इसी कड़ी में मन्दसौर जिला मुख्यालय पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की प्रतिमा के सामने गांधी चौराहा पर शुक्रवार शाम 4 बजे से 4.30 बजे तक प्रदर्शन कर महामहीम राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन दिया जाएगा। प्रदर्शन में जिला कांग्रेस अध्यक्ष एवं विधायक श्री विपिन जी जैन सहित पार्टी के सभी वरिष्ठनेता, पदाधिकारी अग्रणी संगठनों व सभी विभागों के प्रमुखों सहित पार्टी के सभी कार्यकर्ता भाग लेंगे।

डॉ तोमर ने कहा है कि कांग्रेस भाजपा के किसी भी दुष्प्रचार का मुंहतोड़ जवाब देगी। डॉ तोमर केंद्र की भाजपा सरकार पर आरोप लगाया है कि वह सोची समझी रणनीति के तहत सदन में विपक्ष की आवाज को दबाने का प्रयास कर रही है। लोकसभा व राज्यसभा से कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दलों के सांसदों को सदन से निलंबित करने की भाजपा सरकार की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस लोकतंत्र की हत्या नहीं होने देगी। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर कांग्रेस देशभर में केंद्र की भाजपा सरकार की तानाशाही नीतियों व निर्णय के खिलाफ धरने प्रदर्शन करेगी। डॉ तोमर ने कहा कि संसद के दोनों सदनों से विपक्षी दलों के नेताओं का निलंबन बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार संसद के दोनों सदनों में विपक्ष के सवालों से बच रही है और यही वजह है कि एक सोची समझी रणनीति के तहत संसद से विपक्षी सांसदों को निलंबित किया गया है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में चुने हुए सांसदों का निलंबन लोकतंत्र की हत्या के साथ साथ उनका अपमान भी है जो कभी सहन नही हो सकता। डॉ तोमर ने सभी कांग्रेसजनों से आयोजन में भागीदारी की अपील की है।

✻ शवयात्रा ✻

हमारी माताजी एवं स्व. श्री रामपालसिंह सेंगर की धर्मपत्नी, शाश्वत, दिग्विजय, रजत की दादीजी एवं सौनित. क्रिदय की परदादीजी श्रीमती प्रभादेवी सेंगर का निधन दिनांक 21 दिसम्बर 2023 गुरुवार को हो गया है. शवयात्रा 22 दिसम्बर 2023 शुक्रवार को प्रात: 10 बजे हमारे निवास चन्द्रपुरा, मंदसौर से शववाहन द्वारा मुक्तिधाम मंदसौर जायेगी।

✻✻✻ शोकाकुल ✻✻✻
चन्द्रविनोद सेंगर (से. नि. शिक्षक), वीरेन्द्रसिंह सेंगर (शिक्षा विभाग) चन्द्रपुरा, मंदसौर
मोबाइल- 9755943525

✻ उठावना ✻

स्व. द्वारकादास पारिख कलकत्तावाला के छोटे भाई, गोविन्ददास, कृष्णदास के बड़े भाई, मनीष के पिताजी, सुरेश, दिनेश, मुकेश, योगेश के काका, हर्ष, हार्दिक, वीर के दादाजी श्री मोहनलालजी पारिख कलकत्तावाला का श्री जी शरण दिनांक 20.12.2023 बुधवार को हो गया है। जिनका उठावना दिनांक 22.12.2023 को प्रातः 09.30 बजे स्थान-गोवर्धन विलास जीवागंज, रोड़ नं. 2, मंदसौर पर रखा गया है।

✻✻✻ शोकाकुल ✻✻✻
गोविंददास पारिख, कृष्णदास पारिख, श्यामसुंदरदास पारिख, मदन मोहन पारिख, राजकुमार पारिख, मुकेश पारिख, मनीष पारिख एवं कलकत्तावाला परिवार
बैठक- 25 दिसम्बर 2023 तक प्रतिदिन शाम 6 से 8 बजे तक निवास स्थान पर रखी गई है।

यात्रियों से भरी बस....

पेज 1 से जारी

नहीं लगी और बस ट्राले से जा भिड़ी। अचानक हुई दुर्घटना से चीख पुकार मच गई। महिलाएं और बच्चे रोने और चिल्लाने लगे। आसपास के लोगों को पता चलने पर मौके पर आए। घायलों को बाहर निकालकर रात करीब 12 बजे मेडिकल कॉलेज पहुंचाया।

नाम परिवर्तन सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि पूर्व में मेरा नाम Narender Kumar Dhanotiya था। अब मैंने अपना नाम परिवर्तन कर Narendra Kumar Dhanotiya रख लिया है।

अतः आज के बाद मुझे मेरे नए नाम Narendra Kumar Dhanotiya से जाना व पहचाना जावें।

सूचनाकर्ता
Narendra Kumar Dhanotiya
18, समर्पण, निलम नगर कॉलोनी, महू-नीमच रोड़, मन्दसौर (म.प्र.)

कार्यालय सम्पदा अधिकारी
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल रतलाम
नामान्तरण –सूचना

मण्डल की आवासीय कॉलोनी किटियानी मंदसौर स्थित भूखंड क्रमांक L.II.100 जो की श्री नरेन्द्र सिंह सिसोदिया पिता श्री किशोर सिंह सिसोदिया को मण्डल आदेश क्रमांक 5935 दिनांक 03.10.1989 द्वारा आवंटित है। उक्त भूखंड का पट्ठाभिलेख दिनांक 30.08.1999 को उप पंजीयक कार्यालय मंदसौर में पंजीयन निष्पादित किया गया था।

श्री नरेन्द्र सिंह सिसोदिया पिता श्री किशोर सिंह सिसोदिया द्वारा उक्त भूखंड का विक्रय श्री वटट कुन्नत जोसफ मेथ्यु पिता जोसफ को कर दिनांक 09.03.2004 को इनके पक्ष में विक्रय पत्र निष्पादित करवा दिया था। उक्त विक्रय पत्र एवं प्रस्तुत दस्तावेजो के आधार पर श्री वटट कुन्नत जोसेफ मेथ्यु पिता जोसेफ उक्त भूखंड का नामांतरण अपने नाम करवाना चाहते है।

अत: इस सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति/संस्था/परिवार के सदस्य/वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति/उर्ज हो तो वह विज्ञापन प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस में मय ठोस प्रमाण के कार्यालय में प्रस्तुत करे समयावधि व्यतीत हो जाने पर भूखंड क्रमांक L.II.100 किटियानी मंदसौर का नामान्तरण श्री वटट कुन्नत जोसफ मेथ्यु पिता जोसफ के नाम से कर दिया जावेगा उसके पश्चात कोई भी दावा/आपत्ति/उर्ज मान्य नही होगा।

सम्पदा अधिकारी
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल संभाग-रतलाम (मप्र)

अविजित सिंह चौहान (अभिभाषक)

कार्यालय -बी-105 प्रथमतल, श्रीगोवर्धन नाथ कॉम्पलेक्स, नई आबादी मंदसौर म.प्र.
Email:- advocate.avijitsingh@gmail.com mob no :- 9424812339

✻✻✻✻ जाहिर सूचना ✻✻✻✻

मेरी पक्षकार संस्था एस एम एफ जी इंडिया होम फाइनेंस कम्पनी लिमिटेड द्वारा से प्राप्त जानकारी एवं माहिती अनुसार जाहिर सुचना प्रकाशित की जा रही है कि दीपिका परमार निवासी रामटेकरी तह. व जिला मंदसौर द्वारा मेरी पक्षकार संस्था के समक्ष ऋण सुविधा प्राप्त करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है जो कि मकान नं. 70, वार्ड नं. 22, रामटेकरी मंदसौर स्थित है जिसकी चर्तुसीमा पूर्व में-कृष्णा विहार कॉलोनी, पश्चिम में-आम रास्ता, उत्तर में-कैलाश पिता मांगीलाल का मकान, दक्षिण में-शांति बाई रामचरण का मकान हैं तथा कूल क्षे. 450 वर्गफीट है उक्त संपत्ति मणीलाल पिता पूरालाल जी जैन ने क्रय की थी मणीलाल पिता पूरालाल जी जैन की मृत्यु पश्चात उक्त संपत्ति नगर पालिका दस्तावेजो में अंगूरबाला जैन पति मणीलाल जैन, के नाम से दर्ज हो चुकी है जिसका बंधक पत्र दीपिका द्वारा मेरी पक्षकार संस्था के पक्ष के निष्पादित कर ऋण सुविधा प्राप्त की जा रही है।

अत: सर्वसाधारण को सुचित किया जाता है कि इस विज्ञप्ति में उल्लेखित संपत्ति के संबंध में अंगूरबाला जैन पति मणीलाल जैन के अलावा अन्य कोई उत्तराधिकारी हो अथवा उक्त संपत्ति संबंधित कोई वसीयत या अनुबंध या विक्रय पत्र अथवा लिखित या मौखिक अनुबंध पत्र इत्यादि हो अथवा इस उल्लेखित संपत्ति संबंध में किसी व्यक्ति, संस्था, बैंक इत्यादि को आपत्ति हो तो आवश्यक दस्तावेज सहित मेरे कार्यालय पर सात दिन में संपर्क कर दस्तावेज प्रस्तुत करे अन्यथा नियत अवधि पश्चात कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी। सर्वसाधारण को सुचित हो।

प्रस्तुतकर्ता
अविजितसिंह चौहान

इंदौर के मेडिकल कॉलेज के प्रोफेसर त्वचा रोग विशेष एवं डर्मेटोलेजर सर्जन

डॉ. परीक्षित शर्मा

एम.डी. (स्कीन)

शनिवार दिनांक 23 दिसम्बर को शाम 5 से रात 8 और रविवार 24 दिसम्बर को सुबह 9 से दोपहर 2 बजे तक उपलब्ध रहेंगे।

सुविधाएं-✻ चेहरे के कील-मुहासे, चोट व चेहरे के निशान, ऑखों के नीचे कालापन, चेहरे व हाथों का कालापन, ✻ एक्जीमा, सोरियासिस, सफेद दाग का इलाज व सर्जरी, ✻ शरीर पर तिल व मस्सों (Warts) को मशीन द्वारा हटाना, ✻ गर्भावस्था में होने वाले स्ट्रेचमार्क्स की चिकित्सा, ✻ असमय झड़ते बालों का आधुनिक पद्धति से ईलाज, ✻ शरी पर टेटू (गोदना) को मशीन द्वारा हटाना, ✻ लेजर मशीन द्वारा अनचाहे बालों से छुटकारा, ✻ बच्चों व बुजुर्गो की त्वचा संबंधित समस्याएं, ✻ नाखुन में होने वाले रोगों का उपचार, ✻ सौन्दर्य परामर्श (Cosmetic Consultation)

करजूवाला कम्पाउण्ड, पमनानी हॉस्पिटल के पीछे, स्टेशन रोड़, मंदसौर सम्पर्क-9424813088

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीड्यिा एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in